राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 196 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,05 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

## संक्षिप्त समाचार

### एनआईए कोर्ट में पेश हुईं भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा

मुंबई, (एजेंसी)। मालेगांव ब्लास्ट केस में भोपाल से बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा सोमवार को मुंबई स्थित एनआईए के स्पेशल कोर्ट में पेश हुई हैं। विशेष एनआईए कोर्ट ने कुछ दिन पहले ही सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को हर दिन कोर्ट में उपस्थित रहने के लिए कहा था। लेकिन खराब स्वास्थ्य की वजह से साध्वी प्रज्ञा कोर्ट में नहीं पेश हो रही थी। सोमवार को वह सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश हुई हैं। 2008 मालेगांव ब्लास्ट मामले में साध्वी प्रज्ञा आरोपी हैं।

### मीडिया कंपनी जी ग्रुप के दफ्तरों पर इनकम टैक्स की रेड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इनकम टैक्स विभाग ने मीडिया कंपनी जी ग्रुप के दफ्तरों पर रेड की है। इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी के मुताबिक कंपनी के खिलाफ कर चोरी की जानकारी मिली थी।इसके बाद छापेमारी की कार्रवाई की गई है। कंपनी ने भी उसके ठिकानों पर आईटी रेड की पुष्टि की है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि टैक्स विभाग के अधिकारी कुछ सवालों के साथ हमारे दफ्तर पहुंचे थे। हमारे अधिकारी उन्हें सभी संबंधित जानकारी दे रहे हैं और उनके साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं।

### चार राज्यों का चुनाव लड़ेगी आप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली और पंजाब के बाद अब आम आदमी पार्टी देश के अन्य राज्यों में भी अपने पैर जमाना चाहती है। अन्य राज्यों में अपनी पकड़ बनाने के लिए आम आदमी पार्टी ने स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसे विषयों को दमदार तरीके से मतदाताओं के सामने रखने की रणनीति बनाई है। नए सिरे से उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, गोवा आदि राज्यों में अपनी तैयारी शुरू भी कर चुकी है। पार्टी के मुताबिक वह आगामी चार राज्यों में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। ये राज्य उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा हैं। राघव चड्ढा को पंजाब और कालकाजी से विधायक आतिशी को गुजरात का प्रभार सौंपा गया है।

# किसान आंदोलन : बैठक बेनतीजा

## अगली बातचीत 8 जनवरी को

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कृषि कानूनों के महत्वपूर्ण मुद्दे पर केंद्र सरकार और किसान नेताओं के बीच सातवें दौर की बातचीत बेनतीजा रही। दोनों पक्षों के बीच अगली बातचीत 8 जनवरी को होगी।

बातचीत के दौरान किसान नेता अपनी मांगों पर अडिग नजर आए। किसानों की ओर से बार-बार तीनों कानून को रद्द करने की बात की गई जबकि सरकार की तरफ से सुधार करने की बात की गई। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों से अपील की कि आप सुधार पर मान जाइए। जानकारी के अनुसार, बातचीत के दूसरे दौर में सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी रूप देने पर बातचीत का प्रस्ताव किया लेकिन किसान यूनियन के नेताओं ने इस पर चर्चा से इनकार कर दिया। वे कृषि कानून को निरस्त करने की अपनी मांग पर अडिग रहे।

सातवें दौर की वार्ता के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इस बात से इनकार किया कि किसान यूनियन को सरकार पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार और यूनियन की रजामंदी से ही आठ तारीख की बैठक तय हुई है इसका मतलब है कि किसानों को सरकार पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि किसानों की भी मंशा है कि सरकार रास्ता तलाशे और आंदोलन खत्म करने का स्थिति हो। चर्चा में दो अहम विषय एमएसपी और कानून थे, कुल मिलाकर चर्चा अच्छे वातावरण में हुई, दोनों पक्ष चाहते हैं कि समाधान निकले। सरकार ने कानून बनाया है तो किसानों के हित को ध्यान में रखकर बनाया है। हम चाहते हैं कि यूनियन की तरह से वह बात आए जिस पर किसानों को ऐतराज है, इस पर सरकार खुले मन से बातचीत करने को तैयार है।

बातचीत शुरू होने से पहले आंदोलन में मारे गए लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इससे पहले छटवें दौर की बैठक में सरकार ने किसानों की दो मांगें मान ली थीं। सरकार ने बिजली संशोधन बिल को वापस लेने और पराली जलाने से रोकने के लिए बने वायु गुणवत्ता आयोग अध्यादेश में बदलाव का भरोसा किसान नेताओं को दिया था। हालांकि कृषि कानूनों पर पेंच फंसा हुआ है। किसान सितंबर से ही इन कानूनों का विरोध करते हुए आंदोलन कर रहे हैं। दिल्ली की कई सीमाओं पर किसान 26 नवंबर से आंदोलन कर रहे हैं।

बैठक से पहले ही किसान संगठनों के नेताओं ने कह दिया था कवि सरकार के सामने नया विकल्प नहीं रखेंगे। दरअसल, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने पिछली बैठक में किसान संगठनों से अनुरोध किया था कि कृषि सुधार कानूनों के संबंध में अपनी मांग के अन्य विकल्प दें, जिस पर सरकार विचार करेगी।

# जल्द शुरू होगा दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान : मोदी

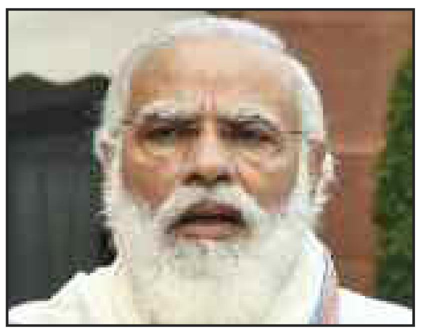

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल मेट्रोलॉजी कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि नया साल एक बड़ी उपलब्धि लेकर आया है। भारत मे दुनिया का सबसे बड़ा कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू होने जा रहा है। इसके लिए देश को अपने वैज्ञानिकों के योगदान पर गर्व है। हर देशवासी वैज्ञानिकों और टेक्निशियनों का कृतज्ञ है। भारत के वैज्ञानिकों ने एक नहीं बल्कि दो-दो मेड इन इंडिया कोरोना वैक्सीन तैयार कर ली हैं।

पीएम मोदी ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नेशनल मेट्रोलॉजी कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने नेशनल एटॉमिक टाइमस्केल और भारतीय निर्देशक द्रव्य राष्ट्र को समर्पित किया। इसके अलावा पीएम मोदी ने नेशनल एनवायरमेंटल स्टैंटड्र्स लेबोरेट्री की आधारशिला रखी। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत सेकेंड के एक अरबवें हिस्से तक को मापने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि नए दशक में हमें क्वॉलिटी और माप की दिशा में भारत की गति बढ़ानी होगी। नए दशक में हमें क्वॉलिटी स्टैंडर्ड के लिए विदेशी निर्भरता कम करनी होगी। नए मानकों से एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट क्वॉलिटी सुनिश्चित होगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के सामने नया लक्ष्य, नई चुनौतियां हैं। देश इस समय आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है। हमें भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता का लोहा मनवाना है।

पीएम मोदी ने कहा यह लोकल को ग्लोबल पहचान दिलाने का अभियान है। हमें भारतीय उत्पाद खरीदने वाले हर ग्राहक का दिल जीतना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश 2022 में अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा है, 2047 में हमारी आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होंगे। हमें आत्मनिर्भर भारत के नए संकल्पों को ध्यान में रखते हुए, नए मानकों, नए पैमानों, नई स्टैंडड्र्स और न्यू बेंचमार्कस को गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि सीएसआईआर के वैज्ञानिक देश के ज्यादा से ज्यादा छात्रों के साथ संवाद करें, कोरोना काल के अपने अनुभवों को और इस शोध क्षेत्र में किए गए कामों को नई पीढ़ी से साझा करें। इससे आने वाले कल में आपको युवा वैज्ञानिकों की नई पीढ़ी तैयार करने में बड़ी मदद मिलेगी।

# बेनामी संपत्ति केस में रॉबर्ट वाड्रा का बयान रिकॉर्ड कर रहा है आयकर विभाग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा का बयान रिकॉर्ड कर रहा है। आपको बता दें कि कुछ महीने पहले रॉबर्ट वाड्रा को लगातार प्रवर्तन निदेशालय ईडी के ऑफिस बुलाया जा रहा था। उस दौरान ईडी ने दिल्ली उच्च न्यायालय से यहां तक कहा था कि रॉबर्ट वाड्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की आवश्यकता है। जांच एजेंसी ने दलील दी थी कि धन के लेन-देन की कड़ियों से कथित रूप से उनका सीधा संबंध है। ईडी ने वाड्रा पर आरोप लगाया था कि वे अपने खिलाफ धनशोधन मामले की जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। हालांकि वाड्रा के वकील ने ईडी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि एजेंसी जब कभी उनके मुवक्किल को बुलाती है, वह उसके सामने पेश होते हैं और उन्होंने जांच में पूरा सहयोग किया है। वकील ने यह भी कहा था कि ईडी ने जो प्रश्न किए, उनके मुवक्किल ने उनका उत्तर दिया और उन पर लगाए गए आरोपों को स्वीकार नहीं करने का यह अर्थ नहीं है कि वह सहयोग नहीं कर रहे हैं।

# गुलेरिया ने बताया आखिर क्यों पड़ेगी हम बायाटेक की वैक्सीन की जरूरत

नई दिल्ली, (संवाददाता)। कोरोना काल में नए साल का तीसरा दिन महत्वपूर्ण रहा। देश में एक साथ दो कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन के आपात इस्तेमाल को मंजूरी मिल गई। इस पर संतुष्टि जताते हुए एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि ये देश के लिए बड़ा दिन है। इस साल की शुरूआत अच्छी रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि दोनों वैक्सीन भारत में ही बने हैं। इस वजह से इनकी लागत भी कम है। डॉ गुलेरिया ने कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट की कोविशील्ड तो जल्द लगनी शुरू हो जाएगी, लेकिन भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का इस्तेमाल विशेष परिस्थितियों में ही किया जाएगा। मसलन अचानक मामले बढ़ने लगे तो हमें इस वैक्सीन की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा कि जब हम किसी वैक्सीन पर विचार करते हैं, तो सुरक्षा सर्वोपरि रहती है। इसलिए वैक्सीन विभिन्न चरणों के परीक्षण से गुजरती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह सुरक्षित है। इसके बाद ही मानव पर परीक्षण शुरू होता है। सभी तरह के नतीजों की समीक्षा की जाती है और इसके बाद ही इसे मंजूरी मिलती है। इसलिए वैक्सीन को लेकर किसी तरह की गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। दिल्ली में कोरोना का कहर काफी हद तक कम हो गया है। आंकड़ों की बात की जाए तो संक्रमण दर फिलहाल दस माह में अभी सबसे कम है। एक हजार लोगों की जांच में छह लोग ही संक्रमित मिल रहे हैं। पिछले 24 घंटों की बात की जाए तो 68,759 सैंपल की जांच में संक्रमितों की संख्या 424 रही। सभी नए मामलों में कोरोना के नए संक्रमण नहीं मिले हैं।

# लीथियम के लिए भारत ने किया अर्जेंटीना से समझौता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने सरकारी कंपनी खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड के जरिए अर्जेंटीना की एक फर्म के साथ एक समझौता किया है। ये समझौता लीथियम के लिए किया गया है, जिसका इस्तेमाल रीचार्जेबल बैटरियों में किया जाता है। ये बैटरियां इलेक्ट्रिक व्हीकल, लैपटॉप और मोबाइल फोन आदि को पावर देने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं। खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड को अगस्त 2019 में बनाया गया था। इसे तीन सरकारी कंपनियों नालको, हिंदुस्तान कॉपर और मिनरल एक्सप्लोरेशन लिमिटेड ने मिलकर बनाई है, जिसके जरिए लीथियम और कोबाल्ट जैसे असेट्स को विदेशों से खरीदा जा सके। चिली और बोलिविया भी लीथियम का उत्पादन करने वाले टॉप देशों में शामिल हैं, जिन पर भी भारत की नजर है। मौजूदा समय में भारत इन सेल के लिए आयात पर निर्भर है, लेकिन इसे बनाने वाले रॉ मटीरियल लीथियम में की गई डील चीन को टक्कर देने वाली साबित हो सकती है। हालांकि, लीथियम से डील में भारत देरी से जरूर आया है, क्योंकि अब इलेक्ट्रिक व्हीकल पर जोर दिया जाना शुरू किया जा चुका है।

सबसे अच्छी होती हैं सॉलिड स्टेट बैटरियां, जो के विकल्प का इस्तेमाल कर के बनती हैं। इसमें आग लगने का खतरा कम होता है और तेजी से चार्ज होती है। ये बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल को सिर्फ 10 मिनट में चार्ज कर सकती है, जिसके चलते रीचार्ज करने का समय तो-तिहाई घट जाता है। इन बैटरियों की मदद से एक इलेक्ट्रिक व्हीकल की माइलेज बढ़ जाती है। लीथियम आयन बैटरियों में पिछले सालों में काफी बेहतरी के काम हुए हैं फिर भी बैटरी को चार्ज होने में देरी होना और एनर्जी डेंसिटी कमजोर होने की दिक्कतें अभी भी आती हैं। लीथियम आयन बैटरियां फोन और लैपटॉप के लिए शानदार साबित हुई हैं। वहीं इलेक्ट्रिक व्हीकल के मामले में अभी भी ये बैटरियां कमजोर साबित हो रही हैं और उन्हें दूर करने के लिए इसे और एडवांस करने की जरूरत है।

## कार्टून

# सरकार को 200 रु. में मिलेगी कोरोना वैक्सीन!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत सरकार के बाद ड्रग्स कंट्रोलर ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी-एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। वैक्सीन को मंजूरी मिलने के बाद भविष्य की योजना क्या है, कंपनी कब और कितने समय में इसका उत्पादन करके डिलीवरी देगी, इन सभी मुद्दों पर सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अदार पूनावाला ने जानकारी दी है। बता दें कि पुणे स्थित सीआईआई ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन का निर्माण कर रहा है। पूनावाला ने बताया कि 5 करोड़ डोज वितरण के लिए तैयार हैं। सीआईआई ने पहले ही वैक्सीन की लाखों खुराक का उत्पादन कर लिया था। यह एक तरह से जुआ था और आप इसे लेकर आशान्वित कैसे थे।

पूनावाला ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम मार्च-अप्रैल की शुरूआत में आश्वस्त नहीं थे लेकिन हम आर्थिक और तकनीकी रूप से 100 फीसदी प्रतिबद्ध थे। हमने इस पर बहुत मेहनत की थी और खुश हैं कि इसने काम किया। यह सिर्फ वित्तीय मामला नहीं है, अगर यह काम नहीं कर पाता तो हमें कुछ और करने में छह महीने लग जाते और फिर लोगों को वैक्सीन बहुत बाद में मिलती। इस तरह से यह एक बड़ी जीत है कि ड्रग्स कंट्रोलर ने इसे मंजूरी दे दी। सीआईआई के सीईओ से पूछा गया कि क्या आपको लगता है कि मंजूरी मिलने में अपेक्षा से अधिक समय लगा तो उन्होंने कहा, मैं जिस तरह से पूरी प्रक्रिया में गया हूं, उसे लेकर बहुत खुश और आभारी हूं क्योंकि हम किसी को कुछ जल्दबाजी में नहीं करने देना चाहते थे। हम चाहते थे कि ड्रग्स कंट्रोलर और स्वास्थ्य मंत्रालय वास्तव में सभी डाटा को देखें, हर चीज की जांच करें, जो हमने किया है, उसकी दोहरी जांच करें कि ऑक्सफोर्ड ने जो किया है वह सुरक्षित और प्रभावी है या नहीं।

पूनावाला से जब पूछा गया कि मंजूरी मिलने के बाद क्या होता है तो उन्होंने कहा, उन्हें (भारत सरकार) अभी भी हमारे साथ एक खरीद आदेश पर हस्ताक्षर करना है और हमें बताना है कि टीका कहां भेजना है, और उसके 7 से 10 दिन बाद, हम टीका वितरित कर सकते हैं। हमने पहले लिखित में 100 मिलियन खुराक (10 करोड़) के लिए उन्हें (सरकार) 200 रुपये की बहुत ही विशेष कीमत पेशकश की है। यह पेशकश केवल सरकार के लिए है और वो भी पहली 100 मिलियन खुराक के लिए। इसके बाद कीमत अलग हो जाएगी।

निजी बाजार में वैक्सीन की एक खुराक की कीमत एक हजार रुपये होगी। हम संभवतः इसे 600-700 रु में बेचेंगे। विदेशों में वैक्सीन की एक खुराक की कीमत 3-5 डॉलर के बीच होगी। हालांकि हम जिन देशों के साथ समझौता करेंगे उसके आधार पर कीमतें ऊपर-नीचे हो सकती हैं। निर्यात में मार्च-अप्रैल तक का समय लग सकता है क्योंकि सरकार ने हमें उससे पहले एक्सपोर्ट करने से मना किया है। सीआईआई के सीईओ से जब पूछा गया कि आपके पास वैक्सीन की कितनी टेस्टेड खुराक हैं तो उन्होंने कहा 50 मिलियन (5 करोड़)। अफवाहों को लेकर उन्होंने कहा कि किसी को भी विज्ञान या तथ्यों पर सवाल उठाने का अधिकार है।

# हैंड सैनिटाइजर और मॉस्क के साथ केरल में 9 महीनों बाद बजी स्कूल की घंटी

तिरुवंतनमपुरम, (एजेंसी)। राज्य सरकार के निर्देश पर केरल के स्कूलों में 10वीं और 12वीं की कक्षाएं सीमित घंटों के लिए शुरू गईं। लेकिन, अन्य छात्रों से दूरी बनाए रखने और एक बेंच पर केवल एक छात्र के बैठने के सख्त निर्देश के कारण कुछ छात्रों में निराशा दिखाई दी। इन 9 महीनों में, छात्र केरल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड टेक्नॉलजी फॉर एजुकेशन (केआईटीई) के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाओं में भाग ले रहे थे। छात्रों के शरीर का तापमान मापने के लिए स्कूलों के प्रवेश द्वार पर डिजिटल थमार्मीटर लगाया गया है। छात्र-छात्राओं को अभिभावकों से सहमति पत्र मिलने के बाद ही उन्हें स्कूल परिसर में प्रवेश दिया गया। मार्च में कोरोना का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के बाद से ही केरल में स्कूल बंद रहे। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में कोविड दिशानिर्देशों के पालन के साथ स्कूलों और कॉलेजों सहित शिक्षण संस्थानों को फिर से खोलने का फैसला किया गया था।

क्वेटा पाकिस्तान में कोयला खदान में काम करने वाले श्रमिकों की मौत का विरोध करते हुए शिया हजारा समुदाय के लोग।

# बलूचिस्तान में 11 पाकिस्तानी कोयला खनिकों की गोली मारकर हत्या

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर भीषण हमला किया गया। बंदूकधारियों ने अपहरण करने के बाद कम से कम 11 कोयला खनिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक पुलिस का कहना है कि अपने काम पर जा रहे इन खनिकों का अज्ञात बंदूकधारियों ने अपहरण कर लिया और माछ इलाके में पास की पहाड़ियों पर ले जाकर उन्हें गोली मार दी। इससे पहले पाकिस्तान के 7 सैनिकों की बलूच विद्रोहियों ने हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार इनमें से छह खनिकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा गंभीर रूप से घायल पांच अन्य की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस, फ्रंटियर कोर और जिला प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री जाम कमाल खान ने इस घटना की निंदा की है और संबंधित अधिकारियों से जांच रिपोर्ट मांगी है। इससे पहले पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के हरनाई में स्थित फ्रंटियर कोर के शारिग पोस्ट पर हुए भीषण हमले की जिम्मेदारी विद्रोही गुट बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली थी। बीएलए ने अपने बयान में चेतावनी दी कि कोहलू-कहान रोड को अगर बनाया गया तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। बलूच संगठन ने कहा कि इस रोड को बलूचों के राष्ट्रीय हित के खिलाफ पाकिस्तान के पंजाबी बना रहे हैं और उन्हें पाकिस्तानी सेना संरक्षण दे रही है। बीएलए के इस हमले में 7 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। बीएलए की ओर से सोशल मीडिया पर जारी तस्वीरों में नजर आ रहा है कि हमले के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों के कपड़े उतार लिए गए और उनके हथियार तक को छीन लिया गया था। बीएलए ने कहा कि उसने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर कोहलू-कहान रोड को बनाया गया तो इसका बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए सेना की मदद से इस सड़क को बना रही पाकिस्तानी कंपनियों को निर्माण कार्य बंद कर देना चाहिए।

बीएलए ने कहा कि बलूचों के राष्ट्रीय संपदा को लूटने का इरादा रखने वाली पाकिस्तानी ताकतों के खिलाफ बलूचिस्तान की आजादी तक संघर्ष जारी रहेगा। उसने चेतावनी दी कि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ इस तरह के हमले आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों और पाकिस्तानी कंपनियों से अपील की कि वे बलूचिस्तान पर कब्जा करने में पाकिस्तानी सेना की मदद नहीं करें। इससे पहले शनिवार देर रात बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना के पोस्ट पर हमला कर सात जवानों की हत्या कर दी। इसके बाद स्थानीय लोगों से बदला लेने पर आमादा पाकिस्तानी सेना ने पूरे क्षेत्र में व्यापक अभियान छेड़ दिया। पाकिस्तानी सेना ऐसे अभियानों के जरिए यहां के आम लोगों के घरों में घुसकर उनसे न केवल अभद्रता करती है जबकि विरोध करने पर लोगों को आतंकी बताकर गोली मार देती है।

## ब्रिटेन में कोरोना के कारण लॉकडाउन और कड़ा किया जा सकता है : जॉनसन

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने चेतावनी दी कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए वर्तमान प्रतिबंधों को और कड़ा किया जा सकता है क्योंकि देश कोरोना वायरस के नए प्रारूप (स्ट्रेन) से जूझ रहा है। वायरस के नए प्रारूप के तेजी से फैलने के कारण शिक्षक संगठन कुछ हफ्ते के लिए देश भर में सभी स्कूलों को बंद करने की अपील कर रहे हैं। जॉनसन ने कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों को उन इलाकों के स्कूलों में भेजना चाहिए जहां वे खुले हुए हैं क्योंकि खतरनाक वायरस से बच्चों को खतरा काफी कम है। बहरहाल उन्होंने कहा कि आगामी हफ्तों में लोगों के लिए कड़े प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं क्योंकि देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या में इस सप्ताहांत 57,725 की वृद्धि हुई वहीं मृतकों की कुल संख्या बढ़कर करीब 75,000 हो गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा हो सकता है कि अगले कुछ हफ्तों में हमें चीजों को और कड़ा करना होगा। मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। मेरा मानना है कि पूरा देश इससे सहमत है। हमें कई कड़े उपाय करने होंगे। वर्तमान नियमों के तहत देश के अधिकतर हिस्सों में श्रेणी चार के कड़े उपाय लागू हैं जिसमें अधिकतर व्यावसायिक एवं गैर आवश्यक दुकानें लगभग पूरी तरह बंद हैं। लोगों के अस्पतालों में भर्ती होने की संख्या ज्यादा बढ़ने के कारण सरकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा काफी दबाव में है। महामारी से निपटने का बचाव करते हुए जॉनसन ने कहा कि उनकी सरकार ने ऐसे सभी उपयुक्त कदम उठाए हैं जो हम सर्दी के महीनों की तैयारी के लिए कर सकते थे। प्रधानमंत्री खुद कोरोना वायरस से संक्रमित

## मृत सागर में ड्रिलिंग के दौरान खतरनाक संकेत, इजरायल में आ सकता हैं खतरनाक भूकंप

लंदन, (एजेंसी)। इजरायल के वैज्ञानिकों को मृत सागर में ड्रिलिंग के दौरान खतरनाक संकेत मिले हैं। उन्हें फॉल्ट लाइन पर तनाव दिखा है, इससे आशंका पैदा हो गई है कि आने वाले सालों में यहां भूकंप आ सकता है। धरती की बाहरी सतह पर टेक्टॉनिक प्लेटों में हलचल के कारण ये फॉल्ट लाइन पैदा होती हैं। तल अवीव यूनिवर्सिटी की टीम का कहना है कि भूकंप आने पर सैकड़ों लोगों की जान जा सकती है। हालांकि , यह नहीं पता लगाया जा सका है कि यह भूकंप कब आएगा।

टीम का कहना है कि यहां रिक्टर स्केल पर 6.5 की तीव्रता का भूकंप आ सकता है जिससे कमजोर इमारतें गिरने और मजबूत इमारतों को नुकसान की आशंका है। रिसर्च में पता चला है कि हर 120-150 साल के अंतराल पर भूकंप आते ही हैं लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि यह 10 साल के अंदर हो जाएगा। पिछली बार 6.2 का भूकंप डेड सी में 1927 में आया था जिसमें 500 लोगों की मौत हो गई थी और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। इसका असर जॉर्डन, जेरूसलम, बेथलेहम और जाफ्फा में देखा गया था। डेड सी सीरिया-अफ्रीका रिफ्ट के पास स्थित है।

रिसर्चर्स ने डेड सी में कई सौ मीटर तक ड्रिलिंग कर धरती की सतह को स्टडी किया है जिससे पता चल सके कि पिछले 2.2 लाख साल में कब-कब भूकंप आए हैं। हर सतह एक मिलीमीटर मोटी है और हर साल बाढ़ आने का बाद गर्मियों में पानी भाप में बदल जाने से तलछट जमा हो जाता है। भूकंप आने पर ये तलछट आपस में मिल जाता है जिससे पता चलता है कि भूकंप कब आया था।

शोधकर्ता ने बताया कि जियोलॉजिकल रेकॉर्ड झूठ नहीं बोलता है और इजरायल में भयानक भूकंप आने वाला है। हम यह नहीं बता सकते कि हमारे पैरों के नीच धरती कब हिलने लगे लेकिन मैं कह सकता हूं कि आने वाले सालों में ऐसा भूकंप आएगा जिसकी चपेट में सैकड़ों लोग आएंगे। उन्होंने कहा कि वह डराना नहीं चाहते हैं लेकिन हम टेक्टॉनिकली ऐक्टिव पीरियड में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुमकिन है कि यह भूकंप आने वाले 10 साल या कुछ दशकों में आए लेकिन हो सकता है अगले हफ्ते भी आ जाए और इसके लिए तैयार रहना चाहिए।

इराक के तहरीके स्कवायर में अबू महदी और कासिम सुलेमानी की अमेरिकी ड्रोन हमले में मौत का विरोध करते हुए लोग।

## अरबपति जैक मा दो महीने से हैं लापता

पेइचिंग, (एजेंसी)। कम्युनिस्ट विचारों वाले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी सत्ता के खिलाफ कुछ भी नहीं सुन सकते। चीन में उनकी तानशाही के ताजा शिकार यहां के तीसरे सबसे बड़े अरबपति और अलीबाबा समूह के मालिक जैक मा हुए हैं और वह पिछले दो महीने से लापता हैं। चीन में तकनीक की दुनिया पर राज करने वाले जैक मा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ विवाद के बाद पिछले दो महीने से नहीं देखे गए हैं। जैक मा ने चीन के ब्याजखोर वित्तीय नियामकों और सरकारी बैंकों की पिछले साल अक्टूबर में शंघाई में दिए भाषण में तीखी आलोचना की थी। दुनियाभर में करोड़ों लोगों के आदर्श रहे जैक मा ने सरकार से आह्वान किया था कि ऐसा सिस्टम में बदलाव किया जाए जो बिजनेस में नई चीजें शुरू करने के प्रयास को दबाने का प्रयास करे। उन्होंने वैश्विक बैंकिंग नियमों को बुजुर्गों लोगों का क्लब करार दिया था। इस भाषण के बाद चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी भड़क उठी। जैक मा की आलोचना को कम्युनिस्ट पार्टी पर हमले के रूप में लिया गया। इसके बाद जैक मा के दुर्दिन शुरू हो गए और उनके बिजनेस के खिलाफ असाधारण प्रतिबंध लगाया जाना शुरू कर दिया गया। नवंबर महीने में चीनी अधिकारियों ने जैक मा को जोरदार झटका दयिा और उनके एंट ग्रुप के 37 अरब डॉलर के आईपीओ को निलंबित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जैक मा के एंट ग्रुप के आईपीओ को रद करने का आदेश सीधा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से आया था। इसके बाद जैक मा से क्रिसमस की पूर्व संध्या पर कहा गया कि वह तब तक चीन से बाहर न जाएं जब तक कि उनके अलीबाबा ग्रुप के खिलाफ चल रही जांच को पूरा नहीं कर लिया जाता है।

इसके बाद जैक मा अपने टीवी शो अफ्रीका बिजनेस हीरोज से नवंबर में फाइनल से ठीक पहले रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। यही नहीं शो से उनकी तस्वीर को भी हटा दिया गया। अलीबाबा समूह के प्रवक्ता ने कहा कि जैक मा सिड्यूल के विवाद के कारण अब जजों के पैनल के हिस्सा नहीं हैं। हालांकि इस शो के फाइनल से कई सप्ताह पहले ही जैक मा ने ट्वीट करके कहा था कि वह सभी प्रतिभागियों से मुलाकात की प्रतीक्षा नहीं कर सकते हैं। इसके बाद से उनके तीन ट्विटर अकाउंट से कोई पोस्ट नहीं किया गया है। इससे पहले वह लगातार ट्वीट करते रहते थे। चीन में आवाज को दबाए जाने वाले जैक मा पहले ऐसे शख्स नहीं हैं। चीन बड़ी संख्या में अपने देश में ऐसे लोगों को नजरबंद कर चुका है जो कम्युनिस्ट पार्टी या शी जिनपिंग सरकार की नीतियों की आलोचना करते हैं। इससे पहले शी जिनपिंग की आलोचना करने वाले प्रॉपर्टी बिजनसमैन रेन झिकियांग लापता हो गए थे। उन्होंने कोरोना को सही से निपटने के लिए शी जिनपिंग को मसखरा बताया था। बाद में उन्हें 18 साल के लिए जेल भेज दिया गया। चीन के एक अन्य अरबपति शिआन जिआनहुआ वर्ष 2017 से नजरबंद हैं।

## अभिभावक की स्वीकृति के बिना भी नाम बदल सकती हैं महिलाएं

रियाद, (एजेंसी)। महिलाओं के लिए बेहद सख्त कानूनों वाला इस्लामी देश सऊदी अरब में तेजी से स्थिति में बदलाव आ रहा है। हालिया बदलाव के तहत महिलाओं को यह अधिकार दिया गया है कि वे अपने अभिभावक की स्वीकृति के बिना भी नाम में बदलाव कर सकती हैं। पहले इसके लिए घरवालों की इजाजत जरूरी थी। सऊदी अरब के गृह मंत्रालय ने रविवार को इसकी जानकारी दी। नए कानून के तहत अब सऊदी अरब में कोई महिला या पुरुष नाम सहित खुद से जुड़े अहम डेटा में बदलाव करा सकता है। पहले सिर्फ पुरुषों को अधिकार था कि वे घर के गार्जियन की अनुमति के बिना ऐसा कर सकें। अब यह अधिकार महिलाओं को भी दे दिया गया है। सऊदी अरब ने देश में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए हाल के समय में कई बदलाव किए हैं।

## 117वीं यूएस कांग्रेस का गठन शुरू, फिर स्पीकर बनीं नैंसी पेलोसी, सीनेट के नए सदस्यों ने ली शपथ

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में 117वीं कांग्रेस का गठन किया जा रहा है, जिसके मद्देनजर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट के सत्र आयोजित किए गए। अमेरिकी कांग्रेस के उच्च सदन सीनेट के लिए चुने गए नए सदस्यों को रविवार को कैपिटल हिल में शपथ दिलाई गई। कांग्रेस के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में डेमोक्रेटिक पार्टी के 222 सदस्य हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के 211 सदस्य हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की सदस्य नैंसी पेलोसी को अमेरिकी संसद के लिए दोबारा प्रतिनिधि सभा की स्पीकर चुना गया।

नैंसी पेलोसी (80) को 216 और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी केविन मैक्कार्थी को 209 मत मिले। सदन के अधिकारी ने बताया कुल 427 वोट डाले गए। इनमें से सीनेटर टैमी डकवर्थ और सांसद हकीम जेफरीज को एक-एक वोट मिला। आंकड़ों के अनुसार, छह डेमोक्रेटिक सांसदों ने पेलोसी को वोट नहीं दिया, जबकि सभी 209 रिपब्लिकन के वोट केविन के पक्ष में पड़े, जो अब सदन में अल्पमत के नेता हैं। इस बीच सीनेट के रिपब्लिकन पार्टी 11 सदस्य राष्ट्रपति चुनाव के इलेक्टोरल कॉलेज के फैसले को चुनौती देने की योजना बना रहे हैं।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन की चुनाव में जीत की पुष्टि करने के लिए छह जनवरी को कांग्रेस का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा जिसमें यह सभी 11 सदस्य अपनी मांग करेंगे। संयुक्त सत्र में इलेक्टोरल कॉलेज के वोटों की पुष्टि की जाएगी। उपराष्ट्रपति माइक पेंस इस सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इसमें प्रत्येक प्रांत के इलेक्टोरल कॉलेज के वोट की गिनती की जाएगी। राष्ट्रपति चुनाव के 14 दिसंबर को जारी आधिकारिक परिणामों के मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बिडेन को 306 इलेक्टोरल वोट मिले हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प को 232 वोट मिले हैं।

डोनाल्ड ट्रंप चुनाव में अपनी हार मानने से इंकार करते रहे हैं। गौरतलब है कि बाइडेन 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। अमेरिकी प्रतिनिधिसभा में 435 सदस्यों को मतदान करने को अधिकार है, जबकि छह ऐसे सदस्य हैं, जो मतदान नहीं कर सकते। पेलोसी को हालांकि मामूली अंतर से जीत मिली है, लेकिन 2014 की तुलना में उन्हें इस बार दो वोट अधिक मिले। इसके बाद ही पेलोसी ने बतौर स्पीकर यह उनका आखिरी कार्यकाल होने की घोषणा भी कर दी।

मानवाधिकार मुद्दों की बड़ी समर्थक पेलोसी ने चुने जाने के बाद कहा कि नई संसद की शुरूआत बड़े चुनौतीपूर्ण समय में हो रही है। पेलोसी ने कहा वैश्विक महामारी और आर्थिक संकट से हरेक समुदाय बुरी तरह प्रभावित हैं और 3,50,500 लोग मारे गए हैं। हमारे दिलों में हर एक के लिए दर्द है, दो करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं, लाखों लोग बेरोजगार हुए हैं। पेलोसी ने कहा कि 117वीं संसद अमेरिकी इतिहास की सबसे विविध संसद होगी, क्योंकि महिलाओं को मतदान का अधिकार मिलने के करीब 100 साल बाद यहां रिकॉर्ड 122 महिलाएं चुनकर पहुंची हैं।

टोक्यो में साल के पहले कारोबारी दिवस कोरोना वायरस से बचने मास्क लगाकर प्रार्थना करते हुए लोग।

## राष्ट्रपति चुनाव में रिजल्ट बदलने के लिए ट्रंप ने डाला दबाव, ऑडियो वायरल होने के बाद अमेरिका में सियासी भूचाल

न्यूयार्क, (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वोटों को लेकर एक आडियो वायरल होने के बाद अमेरिकी राजनीति में एक बार फिर से भूचाल आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चुनाव में वोटों की गिनती के दौरान हार की ओर बढ़ता देखकर जॉर्जिया के शीर्ष चुनाव अधिकारी को फोन करके चुनाव परिणाम बदलने का फोन करके दबाव डाला था। ट्रंप ने चुनाव अधिकारी से कहा कि वह इस दक्षिणी राज्य में उनकी हार को जीत में बदलने के लिए पर्याप्त वोटों की तलाश करें।

अमेरिकी मीडिया में इस फोन कॉल का ऑडियो वायरल होने के बाद इसकी तुलना वॉटरगेट कांड से हो रही है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव में हार के बाद से लगातार यह दावा कर रहे हैं कि जो बाइडन के हाथों उनकी हार बड़े पैमाने पर वोटों की गड़बड़ी की वजह से हुई है। ट्रंप के इस दावे को राज्यों और संघीय चुनाव अधिकारी तथा कई अदालतों ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने जॉर्जिया के सेक्रटरी ऑफ स्टेट और रिपब्लिकन नेता ब्राड रफेनस्पेर्गर को यह फोन कॉल ऐसे समय पर किया था जब अमेरिकी कांग्रेस में उनके कुछ सहयोगियों ने बाइडेन के जीत का औपचारिक प्रमाण पत्र देने का विरोध करने का फैसला किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन को 306 और ट्रंप को 232 वोट मिले थे। यही नहीं बाइडन को ट्रंप के मुकाबले 70 लाख ज्यादा पॉपुलर वोट मिले।

अमेरिकी मीडिया में आए ऑडियो में ट्रंप बार-बार ब्राड रफेनस्पेर्गर पर इस बात के लिए दबाव डाल रहे हैं कि वह बाइडेन की बजाय उन्हें वजिता घोषित करें। ट्रंप ने कहा मैं बस यही चाहता हूं कि आप इसे करो। मैं केवल 11,780 वोटों की तलाश करना चाहता हूं, यह जो हमारे पास है, उससे ज्यादा है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आप जानते हैं कि यह कहने में कोई गलत नहीं है कि आपने वोटों की फिर से गणना की है। जॉर्जिया में तीन बार बैलट की गिनती की गई थी जिसके परिणाम स्वरूप बाइडेन के जीत के दो बार परिणाम आए। अंतिम परिणाम में जो बाइडेन 11,779 से ज्यादा वोटों से जीत गए थे। जार्जिया में कुल करीब 50 लाख वोट पड़े थे। रिपब्लिकन नेता ब्राड रफेनस्पेर्गर ने ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया था और उन्हें कहा था कि आप सोशल मीडिया पर वायरल फर्जी बातों पर भरोसा कर रहे हैं।

उधर ट्रंप और ब्राड रफेनस्पेर्गर के ऑफिस ने इस टेप पर कोई भी टिप्पणी करने से इंकार कर दिया है। बाइडेन कैंप ने ट्रंप के फोन कॉल को अमेरिकी लोकतंत्र पर प्रहार बताया है। ट्रंप के इस फोन कॉल को आपराधिक कार्रवाई बताया जा रहा है। अमेरिका के वॉटर कांड का खुलासा करने वालों में शामिल पत्रकार कार्ल बेरन्स्टेन ने इसे अमेरिकी राजनीति में तूफान लाने वाले वॉटरगेट कांड से बड़ा बताया है।

# चलता फिरता कार्यालय से जनता के द्वार पर जाकर होगा समस्याओं का समाधान: आदेश गुप्ता

**नई दिल्ली,एजेंसी।** दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी और संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने आज प्रदेश कार्यालय में गांधीनगर के विधायक अनिल बाजपेयी द्वारा शुरू किए गए चलता फिरता विधायक कार्यालय को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि विधायक अनिल बाजपेयी द्वारा आपका विधायक आपके द्वार के अंतर्गत चलता फिरता विधायक कार्यालय की यह अनोखी कोशिश सराहनीय है। पहले जनता विधायक के कार्यालय में जाती थी पर अब विधायक जनता के दरवाजे जाकर उनकी समस्याओं को हल करेंगी। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि चलता फिरता विधायक कार्यालय बनाने की पहल इस बात का उदाहरण है कि भाजपा विधायक अपने विधानसभा क्षेत्रों की जनता की समस्याओं का निवारण करने और विकास कार्यों के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने कहा कि भाजपा विधायक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ दिल्ली वासियों की सेवा कर रहे हैं और जनता से किए गए अपने वादों को पूरा कर रहे हैं। विधायक अनिल बाजपेयी ने बताया कि गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र में झुग्गी झोपड़ी है कई क्लस्टर भी हैं जहां से लोगों को विधायक कार्यालय आने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। मैंने जनता से वादा किया था कि खुद आपके द्वार आकर चलता फिरता कार्यालय के माध्यम से आपकी समस्या का समाधान करूंगा।

## सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई धूम-धाम से

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती सैनी समाज द्वारा मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संतोष पाल ने की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, कुरुक्षेत्र से सांसद नायब सिंह सैनी, राजस्थान से सांसद राजेंद्र गहलोत एवं निगम पार्षद श्रीमती श्वेता सैनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन सुमन कुमार सैनी, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा दिल्ली ने किया। कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने जहां सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डाला, उनके द्वारा विषम परिस्थितियों में किए गए कार्यों के विषय में बताया, वही आज उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रसंगिकता की व्याख्या भी की।

**एमसीडी में हुए घोटाले को जनता तक पहुंचने के लिए**

# 2500 मोहल्ला सभाएं करेगी आप

- दिल्ली की जनता से भाजपा के भ्रष्टाचार पर संवाद कर लेंगे उनसे राय : पाठक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एमसीडी में भाजपा के कथित भ्रष्टाचार को दिल्ली की जनता तक ले जाने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली भर में 2500 मोहल्ला सभाएं करने का फैसला लिया है। यह मोहल्ला सभाएं 7 से 15 जनवरी तक आयोजित की जाएंगी। इन सभाओं में आमंत्रित की गई दिल्ली की जनता से भाजपा के एमसीडी में किए गए भ्रष्टाचार पर संवाद कर उनसे राय लेंगे।

इसके लिए करीब 600 स्पीकर चयनित करके उन्हें प्रशिक्षण दिया गया है। सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि यह स्पीकर मोहल्ला सभाओं में लोगों से चर्चा कर उनसे विस्तृत फीडबैक लेंगे।

उन्होंने कहा कि आप के विधायक, पार्षद, जिला प्रभारी, लोकसभा प्रभारी, संगठन मंत्री और वार्ड प्रभारी भी मोहल्ला सभाओं में भाजपा द्वारा किए गए भ्रष्टाचार पर लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करके पार्टी कार्यालय में जमा कराएंगे। दुर्गेश पाठक ने कहा कि पिछले कई दिनों से हम लगातार तथ्यों के साथ भाजपा के भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे हैं।

चाहे वह उत्तरी नगर निगम में हुआ 2500 करोड़ रुपए का घोटाला हो, चाहे वह 1400 करोड़ रुपए का हाउस टैक्स का घोटाला हो, चाहे वह गऊ माता के चारे में किया गया 18 करोड रुपए का घोटाला हो, या फिर कूड़े के पहाड़ों की सफाई के नाम पर किराए पर ली गई मशीनों में 180 करोड़ रुपए का घोटाला हो। उन्होंने बताया कि इन ढाई हजार मोहल्ला सभाओं को हम दिल्ली के हर मोहल्ले, हर गली, हर नुक्कड़ पर आयोजित करेंगे। इन मोहल्ला सभाओं में स्थानीय जनता को आमंत्रित किया जाएगा। आम आदमी पार्टी द्वारा चयनित प्रतिनिधि उन सभाओं में जनता के साथ, भाजपा शासित नगर निगम के भ्रष्टाचारों पर चर्चा करेंगे। जो-जो भ्रष्टाचार हमने अभी तक मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जनता के समक्ष प्रस्तुत किए हैं, उन तमाम भ्रष्टाचारों पर अब आमने-सामने बैठकर चर्चा की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इन मोहल्ला सभाओं में भाजपा शासित नगर निगम के भ्रष्टाचार पर चर्चा करने के साथ-साथ हम जनता की प्रतिक्रिया भी लेंगे। खुले मंच पर जनता को आमंत्रित किया जाएगा ताकि जनता में से जो जो लोग भाजपा शासित नगर निगम के भ्रष्टाचार के शिकार हुए हैं, वे भी अपना अनुभव साझा कर सकें।

## जीजा से नजदीकी की वजह से पत्नी ने करवाई थी बीएसएफकर्मी पर फायरिंग

- फायरिंग करने वाला स्टेट लेवल जूड प्लेयर

**नई दिल्ली,एजेंसी।** छावला इलाके में बीएसएफ में तैनात हेड कांस्टेबल पर गोली चलने के मामले में पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले एक नाबालिग समेत तीन लोगों को पकड़ा। नाबालिग के अलावा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सुनील उर्फ सोनू और अक्षय उर्फ गोलू के तौर पर की गई है। आरोपी सुनील पीड़ित हेड कांस्टेबल की पत्नी का जीजा बताया जा रहा है। जबकि अक्षय राज्य स्तर का जूडों खिलाड़ी है। जबकि नाबालिग की उम्र 17 साल बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल पिस्तौल और कार जब्त कर ली है। पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया घटना गत 31 दिसंबर की जब पीड़ित हेड कांस्टेबल स्कूटी से स्टेडियम जाने के लिए अपने अपार्टमेंट से निकला था। तभी दो युवक उसके सामने आए और एक ने पास आकर उस पर फायरिंग कर दी और फरार हो गया। इसकी शिकायत पर छावला थाने में हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों की कार के आधार पर वारदात में शामिल नाबालिग समेत तीनों को पकड़ लिया। आरोपी सुनील ने बताया पीड़ित की पत्नी उसकी साली लगती है। दोनों के बीच नजदीकी रिश्ते थे क्योंकि पीड़ित बीएसएफ हेड कांस्टेबल अपनी पत्नी की रोज पिटाई करता था। जिसके चलते वह परेपरेशान रहती थी।

# केजरीवाल सरकार ने साजिश के तहत तुड़वाया चांदनी चौक का प्राचीन हनुमान मंदिर-आदेश गुप्ता

**प्रफुल्ल राय(शिवालिक)**

**नई दिल्ली।** प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि चांदनी चौक के प्राचीन हनुमान मंदिर को तुड़वाकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हिंदू-विरोधी और मंदिर विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है। दिल्ली भाजपा यह मांग करती है कि केजरीवाल सरकार चांदनी चौक के सौंदर्यीकरण योजना को री-डिजाइन करके वहां हनुमान मंदिर को पुनः स्थापित करने की व्यवस्था करें। भाजपा चांदनी चौक में मंदिर के पुनः निर्माण के लिए जल्द ही उपराज्यपाल अनिल बैजल से मिलकर इस संदर्भ में हस्तक्षेप करने की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली धार्मिक समिति के मुखिया केजरीवाल सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन है और अगर वह चाहते तो धार्मिक समिति में इस मामले का समाधान कर सकते थे लेकिन मुख्यमंत्री केजरीवाल के इशारे पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार उपस्थित थे।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि समय-समय पर घड़ियाली आंसू बहा कर मुख्यमंत्री केजरीवाल खुद को हनुमान भक्त प्रदर्शित करते रहते हैं लेकिन जब प्राचीन हनुमान मंदिर को बचाने की बारी आई तो वह पीछे हट गए। मंदिर से जुड़ी संस्थाएं और पुजारियों ने भी प्राचीन हनुमान मंदिर को बचाने के लिए उनसे हाथ जोड़कर निवेदन किया और प्रार्थना पत्र भी दिया लेकिन मुख्यमंत्री ने उनके निवेदन को स्वीकार नहीं किया। चांदनी चौक के सौंदर्यीकरण का काम शुरू होने पर वहां के स्थानीय आरडब्ल्यूए, स्टेकहोल्डर, बाजार संघ, व्यापार संघ ने इसका विरोध किया था लेकिन केजरीवाल सरकार ने काम नहीं रोका। मंदिर समिति और स्थानीय लोगों ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से भी निवेदन किया कि मंदिर छोटा है लेकिन प्राचीन है इसलिए अपने डिजाइन में मंदिर को भी रहने दे लेकिन वह निष्ठुर बने रहे।

आदेश गुप्ता ने कहा जब मुख्यमंत्री केजरीवाल जुलाई में चांदनी चौक प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने गए थे तब वहां के निगम पार्षद, सामाजिक संगठनों और भाजपा नेताओं ने उन्हें प्राचीन हनुमान मंदिर को प्रोजेक्ट के नक्शे में समायोजित करने के संदर्भ में ज्ञापन सौंपा था जिसमें मंदिर समिति के लोगों और पुजारियों के हस्ताक्षर थे लेकिन केजरीवाल ने इसे नजरअंदाज कर दिया। अक्टूबर में केजरीवाल सरकार ने हाईकोर्ट में यह लिख कर दिया कि नगर निगम और पुलिस उन्हें सहयोग नहीं कर रही है और उनके अधिकारी मंदिर को तोड़ने में बाधा डाल रहे हैं। इस सिफारिश पर हाईकोर्ट ने नगर निगम और पुलिस को निर्देशित किया। नवंबर में चांदनी चौक के स्थानीय लोगों ने मंदिर को बचाने के लिए हाई कोर्ट का रुख किया लेकिन हाई कोर्ट ने साफ कहा कि धर्म या धार्मिक स्थल से जुड़े मामले पर राज्य सरकार के अंतर्गत आने वाली धार्मिक समिति करती है और कोर्ट में धार्मिक समिति के आवेदन पर ही सुनवाई की जाती है। केजरीवाल सरकार ने विकास के नाम पर साजिश के तहत हिंदू मंदिर को तुड़वाया है और हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने का काम किया है।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा प्राचीन हनुमान मंदिर तोड़े जाने की हम भर्त्सना करते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के अंतर्गत आने वाली धार्मिक समिति को यह अधिकार है कि वह कोर्ट में अपना पक्ष रख सकती है कि मंदिर के टूटने से लोगों की आस्था को ठेस पहुंचेगी और कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है, इसलिए मंदिर को न तोड़ा जाए, लेकिन केजरीवाल सरकार की धार्मिक समिति ने कोर्ट में प्राचीन हनुमान मंदिर को बचाने के लिए अपना पक्ष नहीं रखा। उन्होंने कहा कि दिल्ली दंगे के दौरान आम आदमी पार्टी नेताओं ने हिंदुओं के घर जलाए, हिन्दुओं की हत्या की और शाहीन बाग का रास्ता बंद करने वाले प्रदर्शनकारियों, टुकड़े टुकड़े गैंग, देश विरोधी मानसिकता वाले लोगों का समर्थन किया और अब प्राचीन हनुमान मंदिर तुड़वाकर यह स्पष्ट कर दिया है कि वह हिंदू विरोधी हैं।

## प्रॉपर्टी के लिए बेटे ने माँ को पीटा और घायल

- अवस्था में देर रात घर से निकाला, केस दर्ज

**नई दिल्ली,एजेंसी।** संगम विहार इलाके में एक बेटे ने प्रॉपर्टी के लिए अपनी माँ को जमकर पीटा और जनवरी की सर्द रात में उसे घायल अवस्था में घर से निकाल दिया। 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला घायल अवस्था में ही एम्स पहुंची। उधर, आरोपी के भाई ने माँ के बारे में जानकारी मिलने पर मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची संगम विहार थाना पुलिस ने बुजुर्ग महिला के बयान पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित बुजुर्ग बबली अपने परिवार के साथ संगम विहार एच ब्लॉक में रहती है। परिवार में तीन बेटे हैं। दो की शादी हो गई जो अपने अपने परिवार के साथ घर के ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर रहते हैं। बुजुर्ग महिला का बड़ा बेटा गांव गया हुआ था। ऐसे में छोटा बेटा बादल और उसकी पत्नी ने बुजुर्ग महिला को प्रॉपर्टी के लिए जमकर पीटा।

## संपत्तिकर बढ़ाने पर सत्तापक्ष ने उठाए सवाल, दिए कई सुझाव

**नई दिल्ली,एजेंसी।** दिल्ली सरकार से बकाया राशि न मिलने पर अब नगर निगमों को स्वयं आत्मनिर्भर बनना होगा। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की बैठक में पक्ष प्रतिपक्ष के सदस्यों ने बजट चर्चा में कई सकारात्मक सुझाव दिए। बैठक में सत्तापक्ष के सदस्य सतपाल खरवाल ने संपत्तिकर कर को लेकर सुझाव देने के साथ ही निगम के संपत्तिकर में बढ़ोत्तरी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि निगम संपत्तिकर की दरों में मामूली वृद्धि करनी चाहिए, लेकिन निगम ने 70 फीसदी से अधिक वृद्धि की है यह जनता पर अतिरिक्त बोझ जैसा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम को संपत्तिकर न बढ़ाकर कर अधिक से अधिक संपत्तियों को कर की श्रेणी में लाना चाहिए। इसके अलावा संपत्तिकर के डिफाल्टर्स पर कार्रवाई कर उनको भी इसमें जोड़ना चाहिए।

खरवाल ने संपत्तिकर को तीन श्रेणियों में बांटे जाने पर भी सवाल खड़े किए। उदाहरण देते हुए खरवाल ने बताया कि सुल्तानपुर माजरा जैसी एच श्रेणी की कॉलोनी और सीआर पार्क सी श्रेणी की संपत्तियों पर एक जैसा कर न्यायोचित नहीं है। दोनों की कॉलोनियों से 12 फीसदी की दर से कर वसूलना प्रस्तावित किया गया है।

## दिल्ली सरकार ने तमिल भाषा-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बनाई अकादमी: सिसोदिया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के कला संस्कृति और भाषा विभाग ने देश की सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया है।

तमिल भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए तमिल अकादमी की स्थापना की गई है। इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। एमसीडी के पूर्व पार्षद और दिल्ली तमिल संगम के सदस्य एन राजा को अकादमी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नवस्थापित अकादमी को जल्द ही सभी आवश्यक अधिसंरचना के साथ एक कार्यालय स्थान आवंटित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध महानगर है। यहां देश के सभी हिस्सों के लोग रहते और काम करते हैं। यही सांस्कृतिक विविधता दिल्ली की जीवंत और महानगरीय संस्कृति बनाती है। दिल्ली में रहने वाली तमिलनाडु की बड़ी आबादी के लिए हम एक मंच पेश करना चाहते हैं।

साथ ही दिल्ली के लोगों को भी तमिलनाडु की कला-संस्कृति का लाभ मिलेगा। मुझे खुशी है कि अकादमी के प्रथम उपाध्यक्ष एन राजा जैसे प्रमुख लोगों ने इस अकादमी की स्थापना में भरपूर सहयोग दिया है।

## वरिष्ठ नागरिकों के घर घर जाकर कूड़ा लेंगे कर्मचारी

**नई दिल्ली,एजेंसी।** पूर्वी दिल्ली नगर निगम में वरिष्ठ नागरिकों के घरों से निकलने वाले कूड़े को कर्मचारी एकत्रित कर ले जाएगा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के तहत दिलशाद गार्डन में सफाई निगरानी समिति की बैठक में वरिष्ठ नागरिकों को विशेष सुविधाएं देने का निर्देश दिया गया। पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं (डेम्स) समिति के अध्यक्ष वीर सिंह पंवार की अध्यक्षता में सफाई निगरानी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वार्ड के सभी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। बैठक में प्रतिनिधियों से स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में बेहतर रैंक लाने के लिए आवश्यक सुझाव मांगे गए। डेम्स समिति के अध्यक्ष ने घर-घर से कूड़ा उठाने का काम कर रही एजेंसी को निर्देश दिए कि जिन घरों में केवल वरिष्ठ नागरिक रहते हैं, वहां से कूड़ा लेने के लिए विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने एजेंसी के कर्मचारियों को निर्देश दिए कि बुजुर्गों को विशेष मदद प्रदान की जाए। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली में घर-घर से कूड़ा उठा रही एजेंसी मेट्रो वेस्ट कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के महत्व के बारे में बताया गया। बैठक के दौरान स्वच्छता बनाने और कूड़े के प्रबंधन को और बेहतर करने के उपायों पर भी चर्चा की गई। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों द्वारा पेड़ों की छटांई का मुद्दा भी बैठक के दौरान उठा।

## बड़ी तादाद में अल्पसंख्यक भी जुड़े भाजपा के अभियान से : फिरोज मलिक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली सरकार के खिलाफ शुरू किये गये भाजपा के अभियान से अल्पसंख्यक वर्ग भी बड़ी तादाद में जुड़ा। ये कहना है भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा नवीन शाहदरा जिले के अध्यक्ष फिरोज मलिक का। फिरोज मलिक नें बताया मुस्तफाबाद,बाबरपुर सीमापुरी सहित एनी सभी क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों नें बड़ी स्न्ख्यस्न्ख्या में अभियान में भाग लिया तथा अपनी गलियों में पत्रक बाटें। श्री मलिक नें कहा सरकार के खिलाफ भाजपा के कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ खराब मौसम के बीच अच्छा असर देखने को मिला । तमाम कार्यकर्ता अभियान में सड़कों पर दिखाई दिए सभी मंडल अध्यक्षों ने अपने मंडलों में अपने यहां अभियान को चलाया जिला नवीन शाहदरा में हर मंडल हर बूथ हर समिति पर अभियान चला जिसमें फिरोज मलिक जिला अध्यक्ष जिला महामंत्री जाहिर हुसैन, जिला महामंत्री जाकिर अंसारी, कार्यालय मंत्री नसीब उर्फ भूरा, मंत्री अकरम नईम अहमद मंडल अध्यक्ष मुस्तफाबाद मोहम्मद सलीम महामंत्री अरशद मेवाती महामंत्री मुस्तफाबाद कयामुद्दीन महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चे के तमाम लोगों ने दिल्ली सरकार के खिलाफ इस अभियान में हिस्सा लिया।

फिरोज मलिक नें दावा किया अल्पसंख्यक समुदाय अब केजरीवाल की असलियत समझने लगा है कि केजरीवाल उनका इस्तेमाल केवल वोटों के लिए करते हैं जबकि उन्हें उनके कल्याण के लिए कुछ नहीं किया। वे कहते हैं अल्पसंख्यक अब उनके झांसे में नहीं आने वाले। उनकी असलियत जनता के सामने आ चुकी है।

## वेतन नहीं मिला तो 7 जनवरी से होगी काम बंद हड़ताल

**नई दिल्ली,एजेंसी।** पिछले पांच महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज निगमकर्मियों ने 7 जनवरी तक ठोस समाधान नहीं निकलने पर 7 जनवरी से पूर्ण हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है ।

सोमवार को पूर्वी दिल्ली नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन कर रहे निगम की कई यूनियन शामिल हुई। प्रदर्शन उतरी पूर्वी दिल्ली नगर निगम के 24 विभागों की आल इंप्लाईज एमसीडी यूनियन कन्फेडरेशन के बैनर तले किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले पांच महीने से उत्तरी एवं दो महीने से पूर्वी नगर निगम में कर्मचारियों को वेतन नही मिल पाया है।

जबकि पिछले 6 महीने से सेवानिवृत कर्मचारियों को पेंशन नहीं दी गई है। कन्फेडरेशन के संयोजक एपी खान ने चेतावनी दी है कि केंफेड्रेशन को 7 जनवरी से हो रही हड़ताल से पूर्व बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। मीटिंग में कोई ठोस समाधान नहीं होता है तो 7 जनवरी से उपराज्यपाल निवास पर प्रदर्शन करते हुए तीनों निगमों में पूर्ण काम बंद हड़ताल की जाएगी, जिसमें सभी विभाग के कर्मी शामिल रहेंगे। धरना-प्रदर्शन में शिक्षक संघ के महासचिव रामनिवास सोलंकी ने मांग की है कि जब तक वेतन का स्थाई समाधान नहीं होगा हड़ताल जारी रहेगी।

प्रदर्शन में विभा सिह, जगदीश यादव, प्रदीप सोलंकी, दीपक शर्मा, सानंद रावत, दलबीर राठी, मुकेश शर्मा, शकुंतला देवी, नरेंद्र, प्रभात झा, संतोष चौहान, सतेंद्र नागर, रजब अली उपस्थित थे।

## निहाल विहार में शिरोमणी अकाली दल की विशाल एकत्रता

**नई दिल्ली।** शिरोमणी अकाली दल की विशाल एकत्रता निहाल विहार में हुई जिसमें बडी गिनती में संगत ने हाजरी भरी। शिरोमणी अकाली दल दिल्ली इकाई के संरक्षक जत्थेदार अवतार सिंह हित, अध्यक्ष एवं दिल्ली कमेटी महासचिव हरमीत सिंह कालका, दिल्ली कमेटी अध्यक्ष मनजिन्दर सिंह सिरसा, स्त्री अकाली दल की अध्यक्षा बीबी रणजीत कौर द्वारा संगतों को सम्बोधन करते हुए अकाली दल के गौरवमई इतिहास की जानकारी दी और साथ ही कमेटी में की जा रही सेवाओं से भी संगत को अवगत करवाया। दिल्ली कमेटी सदस्य स्र्वण सिंह बराड़ द्वारा मीटिंग का आयोजन किया गया था। जत्थेदार अवतार सिंह हित ने संगतों को बताया कि शिरोमणी अकाली दल शहीदों की जत्थेबंदी है और देश की आजादी से लेकर, एमरजैंसी सहित अनेक मोर्चे कौम के लिए अकाली दल ने लगाये और सभी में संगत के सहयोग के साथ विजयी भी प्राप्त की। कांग्रेस के बाद देश की सबसे पुरानी पार्टी का भी गौरव अकाली दल को प्राप्त है पर आज अनेक लोग अकाली दल के नाम पर अपनी दुकानें चला रहे हैं जिनसे कौम को सुचेत रहने की आवश्यकता है।

## कोरोना काल में बेदम हुआ डेंगू का डंक

**नई दिल्ली,एजेंसी।** कोरोना संकट के बीच राहत भरी खबर यह है कि बीते वर्ष में डेंगू का डंक बेदम हो गया। वर्ष 2019 की तुलना में 2020 में न केवल डेंगू के मामले 50 फीसद घट गए बल्कि उससे होने वाली मौत का आंकड़ा भी 50 फीसद कम हो गया। बीते छह सालों में यह पहली बार हुआ है इतने कम मामले एक वर्ष में सामने आए हैं। डेंगू के साथ ही मलेरिया और चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या कम होने से निगम के अधिकारी और महापौर उत्साहित हैं। इसका श्रेय वह निगम के डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स डीबीसी और स्वास्थ्य कर्मियों को दे रहे हैं। दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों को लेकर जारी दक्षिणी निगम की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2019 में 2036 मरीज आए थे। जो कि वर्ष 2020 में घटकर 1072 रह गए हैं। इसी तरह मलेरिया के वर्ष 2019 में 713 मरीज थे जो कि 2020 में घटकर 228 ही रह गए। चिकनगुनिया के वर्ष 2019 में 293 में मरीज सामने आए थे वर्ष 2020 में वह घटकर 111 ही रह गए। वहीं 2019 में डेंगू से जहां दो लोगों की जान गई थी बीते वर्ष केवल 1 ही मौत का मामला सामने आया था। हालांकि चिंताजनक स्थिति यह रही कि मलेरिया बीते छह वर्षों में पहली बार मलेरिया से एक बच्चे की जान चली गई।

# संपादकीय

## बीतता दशक और आगे की चिंता

पूरी दुनिया बेसब्री से इंतजार कर रही है 2020 के खत्म होने का। मानो, इस साल के जाते ही वे सारी मुसीबतें टल जाएंगी, जो इस वर्ष हमारे सिर पर आ पड़ी हैं। इनमें सबसे बड़ा संकट है, कोरोना महामारी और उससे पैदा हुई तमाम तरह की आर्थिक-सामाजिक महामारियां। हालांकि, कोरोना का पहला मामला 2019 में ही चीन में सामने आ चुका था, पर वह साल तो बस नाम के लिए इसके साथ है। इसका प्रचंड रूप और पूरी दुनिया में इसका प्रकोप तो 2020 ने ही देखा। शुरू में कहा गया कि यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा झटका है। लेकिन बहुत जल्द ही साफ हो गया कि यह कहीं बड़ा संकट है, खासकर आर्थिक मोर्चे पर। विश्व बैंक ने साल के पूर्वार्द्ध में ही चेतावनी दे दी कि इस साल पूरी दुनिया की जीडीपी में कम से कम 5.2 प्रतिशत की गिरावट आने का खतरा है। वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी में 24.9 फीसदी की गिरावट दर्ज भी हो चुकी थी। ये झटके आने अभी बंद नहीं हुए हैं। मार्च-अप्रैल की तेज गिरावट के बाद से अर्थव्यवस्था के सभी हिस्सों में कुछ-कुछ सुधार के संकेत दिख रहे हैं। थोड़ी खुशखबरी भी आती है, लेकिन फिर बड़ी आशंका दिखने लगती है। अभी अक्तूबर तक हाल सुधर रहा था, लेकिन नवंबर ने फिर हाल बिगाड़ दिया। सीएमआईई के कंज्यूमर सर्वे में दिखता है कि नवंबर में रोजगार के आंकड़े में लगभग 0.9 प्रतिशत की गिरावट आई और भारत में सिर्फ 4.3 फीसदी लोग ऐसे थे, जिनकी आमदनी पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले बढ़ी है। बिजनेस अखबार मिंट के 'इमर्जिंग इकोनॉमी ट्रैकर' में दिख रहा है कि नवंबर में भारत उभरते हुए देशों या विकासशील देशों की कतार में भी सबसे नीचे पहुंच गया है। यह बड़ी चिंता की बात है, क्योंकि भारत में बहुत बड़े हिस्से की उम्मीद इस बात पर टिकी है कि जब कोरोना खत्म होने लगेगा, तब हमारी अर्थव्यवस्था उन गिने-चुने देशों में होगी, जिन्हें इसके बाद तेजी से बढ़ने का मौका मिलेगा। यहां भारत का नाम हमेशा चीन के साथ लिया जा रहा था, लेकिन अब नजारा दिख रहा है, वह परेशान करने वाला है। नवंबर में चीन से निर्यात 21 प्रतिशत बढ़ा है। लगातार छह महीने से वहां बढ़त दिख रही है, जबकि भारत से निर्यात में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। अप्रैल महीने में 60 फीसदी गिरने के बाद से सिर्फ सितंबर का महीना ऐसा रहा, जब यहां छह फीसदी की बढ़त दिखी। इस साल की शुरुआत में सबसे बड़ी चिंता थी, आर्थिक तरक्की की रफ्तार। और सबसे बड़ा सवाल था कि क्या सरकार ग्रोथ को वापस पटरी पर लाने के लिए कुछ कर पाएगी? अब यह सवाल और बड़ा हो चुका है और चिंता भी। ऐसे में, दस साल पहले लौटकर देखना बुरा नहीं रहेगा। ठीक दस साल पहले प्रणब मुखर्जी भारत के वित्त मंत्री थे और 2011-12 के बजट में उन्होंने यह उम्मीद जताई थी कि अगले साल देश की जीडीपी नौ प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ेगी। वह साल इसलिए भी याद रखना चाहिए कि उस वक्त भी अर्थव्यवस्था एक बड़े संकट से बाहर निकली ही थी। यह था 2008 का विश्वव्यापी आर्थिक संकट। रिजर्व बैंक के कड़े नियमों और गवर्नर वाई वी रेड्डी के अनुशासित रवैये की वजह से भारत इस संकट का सीधा शिकार तो नहीं हुआ, लेकिन बाकी दुनिया का इतना असर जरूर आया कि देश के व्यापारियों को तरह-तरह के सहारे की जरूरत पड़ गई। प्रणब मुखर्जी ने अपने बजट भाषण में बताया कि सरकार अब वे सहारे हटाने लगी है। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर 20.2 प्रतिशत से गिरकर 9.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है। हालांकि यह भी कम नहीं था, लेकिन उस साल देश की ग्रोथ बढ़ाने में खेती की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इसी बजट में प्रणब मुखर्जी ने केरोसिन, रसोई गैस और खाद पर सब्सिडी के डायरेक्ट ट्रांसफर के लिए टास्क फोर्स बनाने का एलान किया। दस साल में इतना तो हासिल हो गया है कि अब सब्सिडी को सीधे खातों में हस्तांतरित किया जाता है। इसी साल अक्तूबर तक 47 करोड़ लोगों को इस रास्ते 1,41,714 करोड़ रुपये की रकम उनके खातों में पहुंचाई गई। लेकिन क्या दस साल पहले जो चिंताएं देश के सामने थीं, उन सबके बारे में यही कहा जा सकता है? साल जाएगा, लेकिन कुछ चीजें शायद अब कभी नहीं जाएंगी। मास्क, सैनिटाइजर, हाथ धोना, शारीरिक दूरी का पालन और 'वर्क फ्रॉम होम'। आपदा में अवसर का सबसे बड़ा उदाहरण तो वर्क फ्रॉम होम ही है। उसने न सिर्फ काम करने का अंदाज बदल दिया, बल्कि ज्यादातर घरों का नक्शा भी। आने वाले समय में बिल्डरों और आर्किटेक्टों के सामने शायद सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि उनके बनाए घर वर्क फ्रॉम होम के लिए कितने मुफीद होंगे हाल ही में गार्टनर के एक सर्वे से पता चला है कि 41 फीसदी लोग तो महामारी खत्म होने के बाद भी काफी समय तक घर से ही काम करने वाले हैं। यह बहुत बड़ा अवसर है। ऐसे लाखों लोगों के लिए, जो मजबूरी में महानगरों के छोटे-छोटे घरों में जिंदगी बिता रहे हैं, क्योंकि उन्हें रोज दफ्तर जाना होता है। ऐसे लोगों के लिए भी, जो अपने गांव, कस्बे या छोटे शहर के घर में रहना चाहते हैं, लेकिन रह नहीं पाते, क्योंकि नौकरी कहीं और है। लेकिन साथ में यह एक नई चिंता पैदा करता है। घर, दफ्तर, स्कूल, कॉलेज, मनोरंजन सब कुछ घर में ही हो जाएगा, तो इंसान बाहर क्यों निकलेगा और इंसान बाहर नहीं निकलेगा, तो स्कूल, कॉलेज और दफ्तर में बनने वाले रिश्तों और सामाजिक समीकरणों का क्या होगा आर्थिक मोर्चे पर दस साल पहले जो सबसे बड़ी चिंता थी, कमोबेश आज भी वही है। देश की आर्थिक प्रगति की रफ्तार तेज करना। इसके साथ जुड़े सवाल भी बहुत हिले-डुले नहीं हैं। तरक्की में सबकी भागीदारी कैसे हो? अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए जो बड़ा खर्च करना है, उसका इंतजाम कैसे हो? सरकार की कमाई बढ़े और खर्च घटे, इसके लिए क्या-क्या करना है? इन सवालों के जवाब तलाशने के साथ इनसे बड़ा और जरूरी सवाल है कि समाज में विद्वेष और असंतोष कैसे कम किया जाए, क्योंकि यह तरक्की की सबसे जरूरी शर्त है।

प्रवीण कुमार सिंह

# विदेश नीति में 'आइलैंड डिप्लोमेसी' का महत्व, जानिए क्या है भारतीय कूटनीति का स्तंभ

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र के आयोजन के दौरान 24 सितंबर, 2019 को इंडिया पैसिफिक आइलैंड्स लीडर्स मीटिंग का आयोजन न्यूयॉर्क में किया गया था। भारत के प्रशांत द्वीपीय देशों के साथ संबंधों में एक्ट ईस्ट पॉलिसी के बाद मजबूती आई है। भारत ने पैसिफिक द्वीपों में अपने विकासात्मक एजेंडे को मजबूती दी है। इस बैठक में फिपिक देशों ने सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति, नवीकरणीय ऊर्जा के सहयोग को बढ़ावा देने, हाल ही में गठित ग्लोबल कोलिशन ऑन डिजास्टर रिजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर में शामिल होने और क्षमता निर्माण हेतु सहयोग करने पर चर्चा की।

हिंद महासागर के द्वीपीय देशों तक भारत की पहुंच के प्रयासों के पीछे कई सामरिक उद्देश्य काम कर रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की हालिया श्रीलंका व सेशेल्स की यात्र इसी सोच का एक हिस्सा रही है और इस रूप में द्वीपीय कूटनीति (आइलैंड डिप्लोमेसी) को भारतीय विदेश नीति के स्तंभ के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सेशेल्स के एजम्पसन द्वीप में भारत अपने सैन्य अड्डे की स्थापना के अवसर खोज रहा है। साथ ही अन्य द्वीपीय देशों में अपनी आर्थिक कूटनीतिक संलग्नता को भी बढ़ा रहा है। इसी क्रम में हाल ही में भारत के विदेश मंत्रलय द्वारा इंडो पैसिफिक डिवीजन के गठन के साथ ही द्वीपीय कूटनीति को औपचारिक रूप दे दिया गया है। पिछले वर्ष भी भारत सरकार ने एक नए इंडियन ओसियन रीजन डिवीजन के गठन के साथ ही आइलैंड डिप्लोमेसी की नींव रख दी थी जिसे इस वर्ष ठोस रूप देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है। इसके अंतर्गत श्रीलंका, मालदीव, मॉरिशस और सेशेल्स को एक साथ शामिल किया गया था और वर्ष 2019 में इस डिवीजन में विस्तार कर मेडागास्कर, कोमोरोस और रीयूनियन द्वीप को भी शामिल कर लिया था। रियूनियन द्वीप पर फ्रांस का स्वामित्व है और हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में आयोजित इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन के काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स की वर्चुअल बैठक में भारत के समर्थन के साथ फ्रांस को इस एसोसिएशन का 23वां सदस्य बनाया गया है। यह भारत के द्वीपीय सुरक्षा और सागर विजन को मजबूती देने वाला कदम माना गया है।

वर्ष 2015 में भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और विदेश मंत्री ने सेशेल्स की यात्र की थी और तीन दशकों में किसी भारतीय नेता

द्वारा इस क्षेत्र में की गई यह पहली यात्र थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना था कि इस क्षेत्र से बेहतर संबंध भारत की सुरक्षा और प्रगति के लिहाज से अहम है। लघु द्वीपीय विकासशील देश हिंद महासागर में कई एशियाई और गैर एशियाई नौसेनाओं के लॉजिस्टिक्स संस्थापनों के रूप में विकसित होते देखे गए हैं। इन लघु द्वीपीय देशों में सेना व नौसेना के अड्डे समेत समुद्री अन्वेषण केंद्र खोलने की प्रवृत्ति देखी गई है। ऐसे द्वीपीय देशों में दक्षिण एशिया में श्रीलंका व मालदीव तथा हिंद महासागर के तटीय क्षेत्रों में मेडागास्कर, कोमोरोस, रियूनियन द्वीप, सेशेल्स, जिबूती आदि शामिल हैं। ठ्रफांस ने रियूनियन द्वीप, अबू धाबी और जिबूती में अपने लॉजिस्टिक्स फैसिलिटी और अड्डे बना रखे हैं, जबकि चीन ने पाकिस्तान के ग्वादर, बांग्लादेश के चटगांव, म्यांमार के कोको द्वीप, श्रीलंका के हंबनटोटा, अफ्रीका के जिबूती और सेशेल्स में अपने अड्डे बना रखे हैं। वहीं अमेरिका ने जिबूती में अपना नौ सैनिक अड्डा बना रखा है। अफ्रीका में अमेरिका का एक मात्र स्थायी अड्डा कैंप लेमोनियर जिबूती में ही स्थित है और यह जिबूती में चीन के अड्डे से कुछ ही दूरी पर है। जापान का भी जिबूती में नौ सैनिक अड्डा है। स्टिंग ऑफ पर्ल पॉलिसी के जरिये हिंद महासागर और दक्षिण एशिया में नौ सैनिक अड्डों को बनाने की चीनी होड़ ने भारत की तटीय सुरक्षा को संवेदनशील बनाया है। भारत ने चीन की इस पॉलिसी को प्रति संतुलित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, वियतनाम व खाड़ी सहयोग संगठन के देशों से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने की कोशिशें की हैं जिसे पूर्व विदेश सचिव ललित मानसिंह ने नेकलेस ऑफ डायमंड्स के रूप में निरूपित किया था। भारत क्षेत्रीय संगठनों के जरिये क्षेत्रीय स्थिरता, एकीकरण व सामूहिक क्षेत्रीय विकास का लक्ष्य रखता है, परंतु कुछ क्षेत्रीय संगठनों से गठजोड़ कर भारत विशिष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति करना चाहता है। फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड्स कॉपरेशन (फिपिक) इसी प्रकार का संगठन है जिसका गठन विशेष उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया गया है। प्रशांत महासागर क्षेत्र में समुद्री व्यापारिक मार्गों की स्वतंत्रता, समुद्री डकैती से सुरक्षा, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से द्वीपों के अस्तित्व पर बढ़ता खतरा, मत्स्य और अन्य संसाधनों की होड़, प्लास्टिक प्रदूषण, तेल रिसाव से समुद्री जैवविविधता का क्षरण, प्रवाल भित्ति से बने द्वीपों पर बढ़ रहे खतरों से निपटने के दृष्टिकोण से फिपिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका गठन भारत के नेतृत्व में प्रशांत महासागर के द्वीपीय देशों के साथ संबंधों को मजबूती देने के लिए 2014 में किया गया था। इसे भारत की आइलैंड डिप्लोमेसी के एक मजबूत उपकरण के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें 14 देश हैं जिसमें भारत को छोड़ सभी प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश हैं। इस संगठन के देश यद्यपि सापेक्षिक रूप से छोटे भू क्षेत्र वाले देश हैं, लेकिन इनका आर्थिक क्षेत्र व्यापक है। इस कारण भारत इनके साथ मिलकर महासागरीय अर्थव्यवस्था या ब्लू इकोनामी के विकास के लिए कार्य कर सकता है। भारत की प्रशांत क्षेत्र में संलग्नता बढ़ाने के लिए इसे प्रधानमंत्री की महासागरीय कूटनीति के रूप में भी देखा गया है।

वर्ष 2014-15 में प्रशांत द्वीपीय देशों और भारत के मध्य वार्षकि स्तर पर कुल व्यापार 30 करोड़ डॉलर का था जिसमें से भारत का इन देशों में निर्यात 20 करोड़ डॉलर और आयात 10 करोड़ डॉलर का था। वर्ष 2014 में इस संगठन के गठन के समय भारत ने इन देशों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन व स्वच्छ ऊर्जा संवर्धन हेतु 10 लाख डॉलर की राशि वाले विशेष कोष का गठन करने और भारत में इन देशों के लिए व्यापार कार्यालय खोलने पर बल दिया था। शासनाध्यक्षों के स्तर पर दूसरे समिट में फिपिक सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुधार और सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का मजबूत समर्थन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में फिजी में एक मेडिकल सेंटर गठित करने, वहां एक फार्मास्युटिकल प्लांट का निर्माण करने और फिजी के पर्यटन क्षेत्र में भारतीय निवेश करने की अपेक्षा को पूरा करने पर बल दिया था। भारत ने समिट में पापुआ न्यू गिनी में अवसंरचात्मक क्षेत्र को विकसित करने, सड़कों, राजमार्गो, एयरपोर्ट्स आदि बनाने में सहयोग की बात की।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र के आयोजन के दौरान 24 सितंबर, 2019 को इंडिया पैसिफिक आइलैंड्स लीडर्स मीटिंग का आयोजन न्यूयॉर्क में किया गया था। भारत के प्रशांत द्वीपीय देशों के साथ संबंधों में एक्ट ईस्ट पॉलिसी के बाद मजबूती आई है। भारत ने पैसिफिक द्वीपों में अपने विकासात्मक एजेंडे को मजबूती दी है। इस बैठक में फिपिक देशों ने सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति, नवीकरणीय ऊर्जा के सहयोग को बढ़ावा देने, हाल ही में गठित ग्लोबल कोलिशन ऑन डिजास्टर रिजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर में शामिल होने और क्षमता निर्माण हेतु सहयोग करने पर चर्चा की।

# नए कृषि कानूनों से बहुरेंगे किसानों के दिन, केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद से खेती में हो रहा तेजी से सुधार

मैं अर्थशास्त्री हूं और न ही विज्ञानी। मैं कृषक और शिक्षक भी नहीं हूं। मैं हूं एक मजदूर, लेकिन पिछले 40 वर्षों से भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए मैंने देखा और समझा है कि भारत को परम वैभवशाली राष्ट्र बनाने के लिए गांव-गरीब-किसान की जिंदगी में खुशहाली तथा विकास की नई सुबह का प्रस्फुटन आवश्यक है। केंद्र सरकार गांव-देहात, खेत-खलिहान और किसानों-मजदूरों के घरों में विकास की ऐसी रोशनी पहुंचाने के लिए 'अहर्निशं सेवामहे' यानी दिन-रात सेवा संकल्प के साथ काम कर रही है। कृषि हमारे देश की आत्मा है। कृषि ही हमारी संस्कृति एवं परंपरा का आधार है। हमारे त्योहार, रीति-रिवाज, खान- पान, रहन-सहन और उपासना पद्धतियों की जड़ें भी गांव-देहात तथा खेतों में ही समाई हुई हैं।

कहने को तो भारत गांवों-किसानों का देश है, लेकिन किसानों और ग्रामीणों की सेहत-सीरत और सूरत बदलने के लिए आजादी के बाद कुछ खास नहीं किया गया। आजादी के समय देश के आर्थिक विकास में कृषि का योगदान लगभग 50 प्रतिशत था जो अब घटकर 20 फीसद से नीचे आ गया है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सत्ताधीश और हुक्मरान कागज के खेतों पर कलम के हल चलाते रहे, स्याही से सिंचाई करते रहे, आश्वासनों के उर्वरक डालते रहे, किसान यूरिया के लिए लाठियां खाते रहे और नेता आंकड़ों की फसलें काटकर किसानों को भरमाते रहे। यदि कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार पहले ही हो गए होते तो आज किसानों की स्थिति कहीं बेहतर होती।

केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद से गांव-गरीब और किसानों के हालात तेजी से बदल रहे हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री ने यह संदेश दिया है कि किसानों के जीवन में बदलाव अब एक सामूहिक दायित्व है। इस दायित्व पूर्ति की बुनियादी शर्त है किसानों की आजादी। नए कृषि कानूनों के बाद हमारे अन्नदाताओं को बिचौलियों के नागपाश से मुक्ति मिल गई है। अब वे अपनी उपज अपनी शर्तों पर मनमाफिक दाम पर कहीं भी बेच सकेंगे। यह युगांतकारी परिवर्तन है। स्थानीय मंडियां दलालों, माफियाओं की गिरफ्त में थीं, लेकिन अब कृषि उपज भी अन्य औद्योगिक उत्पादों की तरह एक देश-एक बाजार की अवधारणा से जुड़ जाएगी। इससे खेती में निजी निवेश बढ़ेगा, बुनियादी ढांचा सुधरेगा, कृषि अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश के आर्थिक विकास में कृषि क्षेत्र का योगदान बढ़ेगा। खेती ठीक नहीं हुई तो देश ठीक नहीं होगा, क्योंकि बिन खेती सब सून।

नए कृषि कानूनों में किसानों को अपनी उपज देश में कहीं भी बेचने के लिए निर्बाध अवसर और पर्याप्त इंतजाम मिलेंगे। किसानों को न तो कोई उपकर देना होगा, न ही माल ढुलाई का खर्च। सरकार किसानों को सुगम व्यापार के लिए ई-ट्रेडिंग मंच उपलब्ध कराएगी। किसान खरीदारों से सीधे जुड़ जाएंगे। फलस्वरूप दलाल और बिचौलिये बाहर हो जाएंगे और उन्हें मिलने वाला कमीशन किसानों को मिलने वाली कीमत से जुड़ जाएगा। कोई भी विवाद 30 दिन में स्थानीय स्तर पर सुलझाया जाएगा। इसके साथ ही किसानों को तीन दिन में भुगतान की व्यवस्था भी की गई है। इसके साथ ही किसानों के हितों के संरक्षण की भी पूरी व्यवस्था इन कानूनों में की गई है। बावजूद इसके कुछ किसान संगठन, विघ्नसंतोषी विपक्षी दलों तथा किसानों को बरसों से लूट रहे दलालों के बहकावे में आकर दिल्ली के इर्दगिर्द कथित आंदोलन कर रहे हैं। कोई आंदोलनकारी किसान नेता या विपक्ष का कोई नेता बदुवार यह नहीं कह पा रहा है कि कानूनों के किस प्रावधान से किसानों का नुकसान होगा।

वहीं इन किसानों को उकसाने वाले विपक्षी दलों के झूठ और दुष्प्रचार पर भी गौर किया जाए। विपक्ष कह रहा है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर अनाज की खरीद बंद हो जाएगी। यह बात कानून में कहां लिखी है? फिर जब तक देश में खाद्य सुरक्षा कानून लागू है और जन वितरण प्रणाली यानी पीडीएस की दुकानें चल रही हैं तब तक एमएसपी पर सरकारी खरीद बंद कैसे हो जाएगी? दूसरा झूठ यह है कि किसान बाहर उपज बेचेंगे तो मंडियां खत्म हो जाएंगी। सरकार कह रही है कि मंडियां रहेंगी। किसान को जहां उपयुक्त कीमत मिले वह वहां अपनी उपज बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के बड़े नेता चौधरी चरण सिंह के अलावा आंदोलनरत किसान नेता राकेश टिकैत के पिता महेंद्र सिंह टिकैत जीवन भर किसानों को मंडियों की घेराबंदी से मुक्त कराने की मांग करते रहे, पर उनकी बात सुनी नहीं गई। अब मोदी जी ने इसे स्वीकार किया है तो उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। खालिस्तानी झंडे भी लहराए जा रहे हैं। देश विरोधी कार्यों में संलिप्त रहे तत्वों और दिल्ली दंगों के अभियुक्तों की रिहाई की मांग की जा रही है। इसका किसानों और कृषि कानूनों से क्या लेना देना है?

एक झूठ यह भी फैलाया जा रहा है कि अनुबंध खेती के चलते किसानों की जमीन चली जाएगी, लेकिन कानून में तो जमीन का उल्लेख ही नहीं है। अनुबंध तो सिर्फ उपज का होगा। जो सरकार साल दर साल कृषि उपज का समर्थन मूल्य बढ़ाकर उसे डेढ़ गुना कर चुकी है।

## नया जज्बा, नई उम्मीद

साल 2020 जाते-जाते जो समस्याएं 2021 के हाथों में थमाता गया है, उनमें दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण उलझनें सुलझने की ओर जाती दिख रही हैं। पहला है किसान आंदोलन। साल खत्म होने के दो दिन पहले किसान नेतृत्व और सरकार के बीच बातचीत में कुछ सहमतियां हासिल कर ली गईं। उम्मीद है कि आगामी चार जनवरी को होने वाली मुलाकात में दोनों पक्ष ठोस नतीजे पर पहुंचेंगे और करीब डेढ़ महीने से दिल्ली के आसपास सड़कों पर बैठे किसान संतुष्ट होकर अपने खेतों की ओर लौट जाएंगे। दूसरी समस्या है कोरोना महामारी, जिसमें प्रतिदिन होने वाले नए संक्रमणों की संख्या साल के खत्म होते-होते काफी कम हो गई थी। इसके अलावा वैक्सीन बन जाने की खबरों ने भी लोगों में उम्मीद भरी है। लेकिन ये उम्मीदें पूरी करने के लिए नए साल को कुछ वक्त देना होगा। अभी तो टीके के असर और इसके साइड इफेक्ट्स वगैरह को लेकर भी स्थिति पूरी तरह साफ नहीं हुई है। वायरस का रूपांतरण एक अलग ही मसला है।

जाहिर है, इस महामारी से तुरत-फुरत छुटकारा नहीं मिलने वाला, लेकिन इसका जो आतंक सबके दिलों में बैठ गया है, उससे मुक्ति मिल जाए तो यह भी कुछ कम बड़ी बात नहीं होगी। खौफ का यह साया हटने के बाद ही स्पष्ट होगा कि जो दूसरी चुनौतियां हमारा इंतजार कर रही हैं वे दरअसल कितनी गंभीर हैं। उदाहरण के लिए, जो लोग गांव चले जाने के कारण या फैक्ट्रियां-कोराबार बंद होने के कारण अभी खाली बैठे हैं, उनमें से कितने सचमुच बेरोजगार हो चुके हैं, यह तब पता चलेगा जब उनके कार्यस्थलों में दोबारा काम शुरू हो जाएगा और उनमें जितनों को खपना है वे खप जाएंगे। बाकी बचे लोगों के लिए कामकाज का इंतजाम करने के बारे में तभी सोचा जा सकेगा। यह नए साल की सबसे बड़ी चुनौती होगी क्योंकि लोगों का काम-धंधा शुरू होने से ही अर्थव्यवस्था में मांग पैदा होगी, जिससे विकास की बंद पड़ी गाड़ी को कुछ गति मिल पाएगी। साल 2020 अयोध्या में राम मंदिर और बाबरी मस्जिद विवाद के शांतिपूर्ण हल के लिए भी याद किया जाएगा।

इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला तो 2019 के आखिर में आ गया था, लेकिन उस फैसले के मुताबिक मंदिर और मस्जिद के निर्माण की प्रक्रिया 2020 में ही आगे बढ़ी। बहरहाल, मंदिर के लिए झंडा लेकर चंदा वसूली करने और उस क्रम में अशांति भड़कने की जो खबरें मध्य प्रदेश से पिछले दिनों आईं, वे परेशान करने वाली हैं। उनसे यह आशंका पनपती है कि क्या यह विवाद समाज में अशांति पैदा करने का जरिया आगे भी बना रहेगा? बेहतर होगा कि इस लंबे विवाद की सुखद परिणति के बाद इसे नए-नए बवाल काटने का सबब न बनाया जाए। बहरहाल, चिंता और सोच-विचार के और भी कई मुद्दे हैं, लेकिन नए साल के लिए सबसे बड़ी कसौटी यही होगी कि वह 2020 से मिली विरासत में ही उलझा रह जाता है या नई उपलब्धियों के बल पर अपनी स्वतंत्र पहचान कायम करता है।

# यूपी में नई सियासी हलचल के संकेत, ओवैसी के आने से सुहेलदेव और अन्य छोटी पार्टियों को हो सकता है नुकसान

क्या गरीब वर्ग सिर्फ वोट पाने तक ही सीमित है गरीब के लिए चलाई जाने वाली जन आहार योजना तो चलाई ही जा सकती है। क्या पता आप दोबारा सत्ता में आ जाएं, कम से कम गरीब को रोटी तो मिलती रहे। दरअसल हमारे देश में मुंशी प्रेमचंद का गरीब जो आज भी हमारे समाज का बड़ा तबका है, उसे वोट बैंक की सेहत के लिए सबसे बेहतर समझा जाता है, पर सिर्फ वोट पाने तक ही क्यों क्या उस थाली को सत्ता के मोह से आगे उसकी पौष्टिकता और जरूरत के लिए निरंतर नहीं चलाया जा सकता सियासत की रोटियां तो सिकती ही रहती हैं, गरीब के पास तो सिर्फ निवाले की भूख है।

जिसकी कुर्सी, उसकी थाली... सत्ता बदलते ही बदल जाता है गरीबों के निवाले का स्वाद

आप सोच रहे होंगे कि भला ये कुर्सी के साथ थाली का क्या मेल बिलकुल है। दरअसल जब भी, जिस राज्य में सत्ता परिवर्तन होता है तो सियासत के बैनर, पर्दे बदलने के साथ चौक-चौराहों पर लगी गरीब की थाली के रंग भी तो बदल जाते हैं। ब्रांड नेम और थाली के जायके पर सत्ता पार्टी का स्वाद चढ़ जाता है। अब गरीब को क्या है खाने में दाल-भात मिले या सब्जी-रोटी, वडा पाव मिले या दाल मखनी, खिचड़ी मिले या इडली या फिर दही-चावल। इस पर भी सवाल उठाना उसके ओहदे की बात थोड़ी है कि ये थाली दो-चार दिन मिले, महीने मिले या कुछ साल मिलते-मिलते कब विलुप्त हो जाए।पूर्वी दिल्ली के एक इलाके में स्थानीय सांसद गौतम गंभीर ने भी ऐसी ही सस्ती थाली की सेवा शुरू की है, जिसके बाद से यह विषय एक बार फिर सुर्खियों में है। एक और चीज देखिए। इस थाली में जायके और पौष्टिकता की भले आपको खुशबू नहीं आए, लेकिन हां, जिस राज्य में गरीब के नाम की थाली जन्म लेगी, उसमें फ्लेवर उस राज्य का ही होगा।

एक रोचक चीज और देखिए। जिस तरह किसी हवेली की कीमत को लेकर बोली लगती है कि उससे ज्यादा मुझसे लो, मैं तुम सबसे ज्यादा कीमत लगाता हूं। लेकिन यहां सियासत वाले गरीब की थाली पर जरा विपरीत बोली लगाते हैं, मैं तुमसे कम। दरअसल यहां कम कीमत लगाने पर अधिक मुनाफे का भरोसा रहता है न, इसलिए। तभी तो

किसी ने दस रुपये में रोटी खिलाई, किसी ने आठ रुपये में, कोई पांच रुपये में, तो कोई एक रुपया, तो किसी ने मुफ्त में ही रोटी खिलाने की दावेदारी ठोक दी।

सत्ताधारी को तो इस तबके के समक्ष अपनी मौजूदगी रखनी होती है और भला रोटी यानी भूख से बड़ा वोट पाने का रास्ता और क्या हो सकता है। इन योजनाओं के शुरू होने के बाद संचालन तो एनजीओ द्वारा कराया जाता है। एनजीओ को ठेका मिला, कुछ दिन चौक-चौराहे पर गरीब बस्ती के आसपास खाना बंटा, फिर तलाशते रहिए। न दिखेगा ठेला और न ही बंटेगा खाना। इसी तरह इन थालियों की योजनाओं के नामकरण में भी सत्ता की मुहर होगी। यहां एक बड़ा सवाल यह भी जेहन में कौंधता है कि जैसे ही सत्ता में दल बदल होता है तो ये थाली क्यों बंद हो जाती है

इस थाली और कुर्सी की शुरुआत भी बहुत दिलचस्प रही है जिसे तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता ने वर्ष 2013 में दक्षिण के मशहूर व्यंजनों के साथ तीन से पांच रुपये की कीमत में शुरू किया था। मजे की बात देखिए, ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 2016 में इसी थाली ने उन्हें दोबारा सत्ता में भी ला दिया। फिर क्या था, यहीं से यह थाली विभिन्न राज्यों में जायकों की खुशबू फैलाती गई, राजनीतिक पार्टियों ने इसे हाथों-हाथ लिया। दिल्ली में 2015 तक सत्ता में जब शीला दीक्षित की सरकार थी, तो जन आहार योजना चलती थी, गरीब को खाना मिलता था। सत्ता गई तो गरीब की रोटी भी गई। वह भी उस दिल्ली में जिसमें देशभर से लाखों प्रवासी कामगार आते हैं, रहते हैं।

उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी के शासनकाल में 2015 में तब के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पंजीकृत श्रमिकों के लिए दस रुपये में थाली की योजना प्रारंभ की थी। लेकिन यह योजना भी बहुत दिनों तक चल नहीं पाई। महाराष्ट्र में भी कई बार कोशिशें हुईं, वहां शिव वडा पाव थाली शुरू की गई थी, वो हर चौक-चौराहे पर आज भी है तो, लेकिन उसमें मिलने वाला वडा पाव सामान्य कीमत में ही मिलता है। हां, बस शिव वडा पाव थाली के नाम पर उसे बेचने वाले रेहड़ी वालों को संरक्षण मिला रहता है। मालूम हो कि उद्धव ठाकरे सरकार ने इस थाली की शुरुआत की थी।

दिल्ली से ही सटे हरियाणा में भी राज्य सरकार ने श्रमिक कल्याण राशि से पूरे राज्य के 22 जिलों में सस्ती थाली की रसोई खोली, मगर लॉकडाउन के बाद से इनको शुरू नहीं करवाया जा सका। सरकार के श्रम विभाग ने 2018 में 20 रुपये की लागत वाला खाना 10 रुपये में देना शुरू किया था। फरीदाबाद व पलवल के सामान्य अस्पताल में जनचेतना ट्रस्ट के तत्वावधान में 10 रुपये में भरपेट खाने की रसोई खोली गई, मगर ये भी अब नहीं चल रही हैं। इन दोनों रसोईघरों का शुभारंभ हरियाणा के तत्कालीन उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने किया था।

असल में ऐसी रसोई एक बार बड़े जोर-शोर से खोल दी जाती है, लेकिन बाद में इनकी तरफ किसी का ध्यान नहीं रहता, या कहें कि ध्यान नहीं दिया जाता। एनजीओ का मकसद ठेका लेने तक ही होता है। राजस्थान में भी अन्नपूर्णा रसोई योजना चल रही थी। वसुंधरा राजे ने दिसंबर, 2016 में इसकी शुरुआत की थी। पांच से आठ रुपये में भरपेट खाना मिलता था। सत्ता बदली तो अन्नपूर्णा की जगह अब यह इंदिरा रसोई बन गई। क्या गरीब वर्ग सिर्फ वोट पाने तक ही सीमित है गरीब के लिए चलाई जाने वाली जन आहार योजना तो चलाई ही जा सकती है। क्या पता आप दोबारा सत्ता में आ जाएं, कम से कम गरीब को रोटी तो मिलती रहे। दरअसल हमारे देश में मुंशी प्रेमचंद का गरीब जो आज भी हमारे समाज का बड़ा तबका है, उसे वोट बैंक की सेहत के लिए सबसे बेहतर समझा जाता है, पर सिर्फ वोट पाने तक ही क्यों क्या उस थाली को सत्ता के मोह से आगे उसकी पौष्टिकता और जरूरत के लिए निरंतर नहीं चलाया जा सकता सियासत की रोटियां तो सिकती ही रहती हैं, गरीब के पास तो सिर्फ निवाले की भूख है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

## संक्षिप्त खबर

### पश्चिम चंपारण: बगहा में ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक समेत दो की मौत

**बगहा (पश्चिम चंपारण)**। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के खड्डा थाना क्षेत्र के रामपुर गौनाहा के पास ईंट लदी ट्रैक्टर-टेलर पलटने से उसमें दबकर

बगहा पुलिस जिले के लौकरिया थाना क्षेत्र चालक और उपचालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। लौकरिया थाना क्षेत्र के सेमरा घुसकपुर निवासी अजय राम (42) व हीरालाल राम (45) शनिवार को गांव के ही इनशाद बंजारा की ट्रैक्टर-टेलर लेकर उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के सिसवां बाजार ईंट लेने गए थे। देर रात वे ईंट लेकर लौट भी रहे थे कि कुशीनगर जिले के खड्डा थाना क्षेत्र के रामपुर गौनाहां के पास ट्रैक्टर-ट्रेलर अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। जिससे ईंट में दबकर दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे से आ रहे दूसरे ट्रैक्टर चालक ने घटना की जानकारी उनके स्वजनों को दी। सूचना के बाद स्वजन गांव के कुछ लोगों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। जहां से स्थानीय पुलिस की मदद से दोनों के शव को बाहर निकाला। पुलिस ने उसे अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर उनके पोस्टमार्टम के लिए पडरौना जिला अस्पताल भेज दिया।

### राजद के सीएम नीतीश को पीएम पद के ऑफर पर जदयू अध्यक्ष की दो टूक, कहा- आवेदन लेकर खड़े नहीं

**पटना** । राजद नेताओं द्वारा लगातार सीएम नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद के लिए ऑफर दिए जाने की बात का जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने रविवार (3 जनवरी) को दो टूक प्रतिकार किया। आरसीपी ने इस बाबत पूछे गए एक प्रश्न पर कहा कि नीतीश कुमार अपनी ताकत की बदौलत नेता हैं। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक समारोह से लौटने के क्रम में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हमारी अपनी पहचान है।

राजद द्वारा लगातार कहा जा रहा कि नीतीश कुमार बिहार की बागडोर तेजस्वी यादव को सौंप दें। इसके एवज में राजद उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए आगे करेगी। आरसीपी ने कहा कि नीतीश कुमार अपनी ताकत पर आगे बढ़ते रहे हैं और वह आगे रहेंगे। साफ सुन लीजिए कि हम किसी के पास कोई आवेदन लेकर खड़े नहीं हैं। कोरोना महामारी से निपटने में राज्य सरकार के प्रयासों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की व्यवस्था का परिणाम है कि बचाव के उपायों में बिहार पूरे देश में अव्वल है। यहां मृत्यु दर काफी कम है और टीकाकरण के आंकड़े भी अन्य प्रदेशों की तुलना में अधिक है। अब सरकार स्वस्थ बिहार को केंद्र में रख सबके लिए मुफ्त टीका की व्यवस्था में लगी है।

सपा नेता व उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा कोरोना के टीके को भाजपा का टीका कहे जाने पर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि टीका किसी पार्टी का नहीं होता। यह तो वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम का परिणाम है। कई स्तर पर इसके लिए ट्रायल हुए हैं। यह किसी जाति, संप्रदाय या पार्टी का नहीं। इस पर रोटी या परांठा सेंकने से बचना चाहिए।

### पटना में राबड़ी आवास पर पहुंचे बाबा का दावा- प्रधानमंत्री भी बन सकते हैं तेजस्वी यादव

**पटना** । बिहार विधानसभा चुनाव में मामूली फासले से मुख्यमंत्री बनने से वंचित रह गए नेता प्रतिपक्ष के बारे में एक बाबा ने प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी की है। वाराणसी के बाबा श्रद्धानंद महाराज ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद के भी गुरू होने का दावा किया है। रविवार (3 जनवरी ) को उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से आवास पर जाकर मुलाकात की और तेजस्वी यादव के बारे में दावा किया कि वह एक दिन देश की कमान संभालेंगे। बाबा ने बख्तियारपुर में भी एक आश्रम बनाया है। वाराणसी से बख्तियारपुर आना-जाना लगा रहता है। बाबा की राबड़ी देवी से मुलाकात का वीडियो भी वायरल हो रहा है। मुलाकात के दौरान बाबा ने दावा किया कि तेजस्वी विधान सभा चुनाव में हारकर भी सीएम ही हैं। वे लोगों के दिलों में हैं। अभी उनके रास्ते में अभी कुछ विघ्न-बाधा जरूर है, लेकिन वह एक न एक दिन प्रधानमंत्री भी जरूर बनेंगे। बाबा ने कहा कि तेजस?वी तो भगवान भास?कर का नाम है। उनका नाम ही ऐसा है तो प्रभाव तो पड़ना ही है। बाबा लालू परिवार के लिए प्रसाद लेकर आए थे। बाबा ने यह भी दावा किया कि उनकी बात अक्सर लालू प्रसाद से भी होती है। आज जब वह पटना से बख्तियारपुर जा रहे थे तो रास्ते में ही रांची से राजद प्रमुख का फोन आया। उन्होंने कहा कि उनका प्रसाद मैडम (राबड़ी देवी) तक पहुंचा दीजिए। मुझ तक पहुंच जाएगा। बाबा ने राबड़ी देवी को गीता की पुस्तक और प्रसाद दिया और लालू प्रसाद के जल्द स्वस्थ होने का आशीर्वाद दिया। स्वामी श्रद्धानंद का कहना है कि उनका आश्रम यूपी में वाराणसी के पास है और लालू प्रसाद उनके गुरु के शिष्य हैं। बाबा ने राबड़ी को बताया कि लालू प्रसाद उनके आश्रम में जाते रहते थे और कई बार उनकी मुलाकात हुई है। बाबा का कहना है कि उनके गुरु के पास यूपी के पूर्व सीएम मुलायम यादव अपने बेटे अखिलेश यादव को बचपन से ही लेकर आते थे। बचपन में ही उनके गुरु ने इसके पहले यूपी में अखिलेश यादव के सीएम बनने के बारे में भविष्यवाणी की थी, जो सच निकली। अखिलेश यूपी के मुख्यमंत्री बने।

उल्लेखनीय है कि लालू प्रसाद के पहले भी कई बार बाबाओं से मिलने की खबरें मीडिया में आती रही हैं एक बार पहले भी वाराणसी के पास एक आश्रम में एक अन्य बाबा से मिलने का वीडियो वायरल हुआ था।

### पंजाब व हरियाणा में मोबाइल टावरों से तोड़फोड़ का मामला हाई कोर्ट पहुंचा, जियो ने दायर की याचिका

**चंडीगढ़** । पंजाब और हरियाणा में जियो के मोबाइल टावरों पर तोड़फोड़ और संचार सेवाओं को बाधित करने का मामला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंच गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने पंजाब में

मोबाइल टावरों पर तोड़फोड़ करने और उन्हें संचार सेवाओं को बाधित करने के मामले में हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। कंपनी ने जियो इंफोकॉम के जरिये याचिका दायर की है। याचिका में पंजाब सरकार और प्रशासन को उपद्रवियों द्वारा तोड़फोड़ की गैरकानूनी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए तत्काल आदेश देने की हाई कोर्ट से अपील की गई है। कंपनी ने तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि उपद्रवियों द्वारा की गई तोड़फोड़ और हिंसक कार्रवाई से कंपनी के हजारों कर्मचारियों की ज़िंदगी खतरे में पड़ गई है। इसके साथ ही दोनों राज्यों में सहायक कंपनियों द्वारा चलाए जा रहे महत्वपूर्ण कम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर, सेल्स और सेवा आउटलेट के रोजमर्रा के कामों में व्यवधान पैदा हुआ है।

याचिका में कहा गया है कि तोड़फोड़ की इन कार्रवाइयों में संलिप्त उपद्रवियों को हमारे व्यावसायिक प्रतिद्वंदी तथा निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा उकसाया जा रहा है। दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे किसानों के आंदोलन का लाभ उठाते हुए इन निहित स्वार्थी तत्वों ने रिलायंस के खिलाफ लगातार दुर्भावना युक्त और विद्वेषपूर्ण अभियान चलाया है, जिसका सच से कोई वास्ता नहीं है। याचिका में कंपनी ने कहा है कि तथ्यों से यह स्पष्ट हो जाता है कि इस अभियान का सत्य से दूर दूर तक कोई नाता नहीं है । इन तथ्यों से स्पष्ट हैं कि देश में वर्तमान में जिन तीन कृषि कानूनों पर देश में बहस चल रही है, उनसे रिलायंस का कोई लेना-देना नहीं है, और न ही किसी भी तरह से उसे इनका लाभ पहुंचता है। कृषि कानूनों से रिलायंस का नाम जोड़ने का एकमात्र उद्देश्य हमारे व्यवसायों को नुकसान पहुंचाना और हमारी प्रतिष्ठा को तहस-नहस करना है।

# बूलगढ़ी कांड की सुनवाई में दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं को दी गई चार्जशीट की कॉपी, अब 29 को सुनवाई

**हाथरस** । उत्तर प्रदेश को बेहद चर्चा में लाने वाले चंदपा थाना क्षेत्र के बूलगढ़ी कांड में सीबीआई की चार्जशीट पर सोमवार को हाथरस के एससी-एसटी कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं को सीबीआइ की चार्जशीट की कॉपी दी गई। अब इस केस में अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी।

चारों आरोपितों को सुबह अलीगढ़ जेल से कड़ी सुरक्षा में आज हाथरस लाया गया। इसके साथ ही सीबीआइ की टीम भी जांच अधिकारी सीमा पाहूजा के साथ कोर्ट में थी। आज कोर्ट में पेशी के बाद चारों आरोपितों को फिर अलीगढ़ जिला जेल भेजा गया। इस दौरान उनके परिवार के लोग पुलिस के वाहन के पास फूट फूट कर रो रहे थे।बूगलढ़ी कांड में सीबीआइ की चार्जशीट पर आज एससी-एसटी कोर्ट में करीब आधा घंटा की सुनवाई के बाद दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं को चार्जशीट की कॉपी उपलब्ध करा दी गई। इसमें पॉलीग्राफ टेस्ट की रिपोर्ट भी है।

उत्तर प्रदेश को बेहद चर्चा में लाने वाले चंदपा थाना क्षेत्र के बूलगढ़ी कांड में सीबीआई की चार्जशीट पर सोमवार को हाथरस के एससी-एसटी कोर्ट में सुनवाई हुई। चारों आरोपितों को सुबह अलीगढ़ जेल से कड़ी सुरक्षा में आज ही हाथरस लाया गया। सीबीआइ की टीम भी कोर्ट में अपने अधिवक्ता के साथ पहुंची है। इस केस की जांच अधिकारी सीबीआइ की डिप्टी एसपी सीमा पाहूजा भी कोर्ट में पहुंचीं।

इस सुनवाई के दौरान चारों आरोपित कोर्ट लाए गए । बहुचर्चित बूलगढ़ी कांड की सुनवाई विशेष न्यायालय अनुसूचित जाति जनजाति एक्ट में हो रही है। कोर्ट में सीबीआइ ने 18 दिसंबर को आरोप पत्र दाखिल किया था। इस केस में बूलगढ़ी गांव के रवि, रामू, संदीप और लवकुश पर सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया गया है। हाथरस में यह घटना 14 सितंबर को हुई थी। हाथरस के बूलगढ़ी गांव में युवती की कथित दुष्कर्म के दौरान मारपीट के कारण मौत हो गई थी। इस मामले की जांच सीबीआइ ने की थी। इसके बाद सीबीआइ ने 67 दिन जांच के बाद आरोप पत्र तैयार किया था। इस केस में रवि, रामू, संदीप और लवकुश पर सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का आरोप है। इसके बाद से चारों आरोपित तीन महीने से अलीगढ़ जेल में हैं।

## अखिलेश यादव के विरोध में मुलायम सिंह की छोटी बहू, बोलीं- कोविड वैक्सीन को लेकर न हो राजनीति

**लखनऊ** । कोरोना वायरस की वैक्सीन को लेकर बीते दिनों बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को विपक्षी दलों के बाद अब परिवार में भी विरोध झेलना पड़ रहा है। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने वैक्सीन को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर तंज कसा है।

अपर्णा यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का कोरोना वैक्सीन न लगवाने का ऐलान ठीक नहीं है। यह जरा भी ठीक नहीं है। कोरोना वैक्सीन को लेकर अखिलेश यादव अपने बयान के बाद परिवार के भी निशाने पर है। मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने कहा कि कोरोना की इमरजेंसी यूज के लिए मंजूर की गई कोरोना वायरस वैक्सीन को किसी पॉलिटिकल पार्टी से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। वैक्सीन पूरे विश्व के लिए है। उन्होंने कहा कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव को ऐसा नहीं कहना चाहिए कि यह

किसी राजनीतिक पार्टी से संबंधित है। यह नहीं कहना चाहिए यह सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी लोग वैक्सीन का इंतजार कर रहे थे। अखिलेश यादव की का यह बयान भारत के वैज्ञानिकों और डॉक्टर्स की बेइज्जती करना है। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने बीते दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया था कि भारत में कोरोना वायरस की वैक्सीन आने के बाद भी वो टीका नहीं लगवाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा था कि भारत में कोरोना वायरस की वैक्सीन आने के बाद भी वो टीका नहीं लगवाएंगे। भाजपा की वैक्सीन पर मैं कैसे विश्वास कर सकता हूं। 2022 में जब हमारी सरकार आएगी तो सबको फ्री कोरोना वैक्सीन मिलेगी। हम तो भाजपा की वैक्सीन नहीं लगवाएंगे।

# आपको चौंका देगी बिहार में कोरोना की यह खबर, यहां त्योहारों के दौरान कम हो जाता है आंकड़ा

**पटना** । बिहार में कोरोना संक्रमण की अजब चाल का यह आंकड़ा हैरान करने वाला है। कोरोना संक्रमण त्योहारों के दौरान कम हो जा रहा है। ऐसा हम नहीं दशहरा से नववर्ष तक के स्वास्थ्य विभाग के सरकारी आंकड़े कह रहे हैं। त्योहारों के दौरान पटना में कोरोना संक्रमण का आंकड़ा कई बार सौ से नीचे भी चला गया। राज्य की बात करें तो यह तीन सौ से भी नीचे जाता दिखा है। खास बात यह भी है कि इसी दौरान बिहार विधानसभा चुनाव के समय कोरोना संक्रमण का आंकड़ा बेकाबू रहा था।

सबसे पहले नववर्ष की बात करें। एक जनवरी को पटना में लिए गए नमूनों की कह जांच रिपोर्ट तीन जनवरी को आई। इसके अनुसार राजधानी में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 88 रहा। लंबे समय बाद पहली बार बिहार में मिले संक्रमितों की संख्या 282 रही। इसके कुछ ही पहले क्रिसमस के दिन 25 दिसंबर को लिए गए नमूनों की रिपोर्ट के अनुसार भी संक्रमण का आंकड़ा गिरा। खास बात यह रही कि क्रिसमस के एक दिन यही आंकड़ा दो सौ से अधिक तो क्रिसमस के एक दिन बाद 121 रहा था।

बीते 30 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा थी। इस दिन हिंदु धर्मावलंबी स्नान-पूजा करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन के नमूनों की जांच रिपोर्ट कम रही। उस दिन के नमूनों में केवल 133 रिपोर्ट पॉजिटिव मिली।

इसके पहले छठ व दीपावली के दिन लिए गए नमूनों की रिपोर्ट सौ से कम नही। 20 और 21 नवंबर को छठ के दो दिनों के दौरान लिए गए नमूनों की जांच की रिपोर्ट भी कम

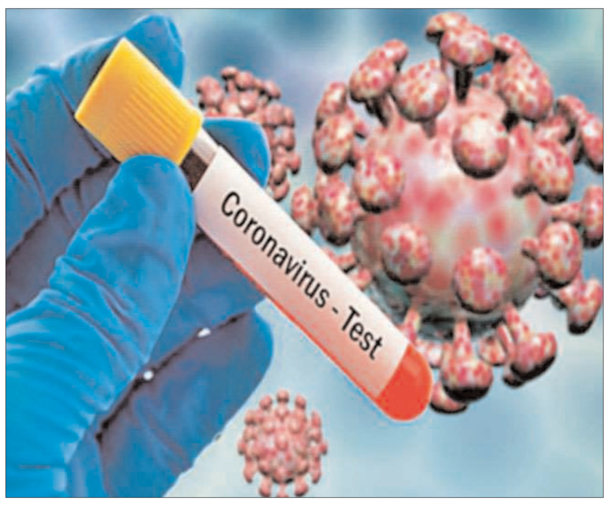


रही। इस दौरान पटना में 97 पॉजिटिव मामले मिले तो राज्य में भी केवल 385 संक्रमित पाए ही पाए गए। इसके पहले 14 नवंबर को दीपावली के दिन लिए गए नमूनों में पटना में कुल 89 मामेल मिले तो राज्य में संक्रमितों का आंकड़ा केवल 247 रहा। इसके पहले दशहरा में भी कोरोना का आंकड़ा 90 रहा था।

खास बात यह भी रहा कि इस बीच बिहार विधानसभा चुनाव हुआ। चुनाव के दौरान पटना में कोरोना संक्रमण कभी भी दो सौ से नीचे नहीं गया। 28 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद पटना में 308 तो राज्य में 1018 संक्रमित मिले थे। आगे तीन नवंबर को दूसरे चरण के मतदान के दिन पटना में 203 तो राज्य में 846 संक्रमित मिले। सात नवंबर को तीसरे चरण के मतदान के दिन के नमूनों में पटना में 306 संक्रमित पाए गए। जबकि इस दिन राज्य में 1801 पॉजिटिव मामले मिले। विधानसभा चुनाव की मतगणना वाले दिन 10 नवंबर को भी पटना में 306 तो राज्य में 798 पॉजिटिव मामले मिले थे। विधानसभा चुनाव के दौरान बेकाबू हालात के बीच राज्य में त्योहारों के दौरान के आंकड़े चौकाने वाले रहे।

**सवाल यह कि क्या यह महज इत्तफाक है** - सवाल यह है कि त्योहारों के दिन अचानक ग्राफ के गिरने और फिर चढ़ने के पीछे कारण क्या हैं क्या इसे महज इत्तफाक माना जा सकता है डॉक्टरों की राय इसपर विभाजित रही। गोपालगंज के डॉ. सदीप कुमार कहते हैं कि कोई भी रोग खास दिन कम नहीं होकर आगे फिर बढ़ नहीं जाता है। इसके बढ़ने व घटने की वैज्ञानिक गति होती है। वे कहते हैं कि संभव है कि त्योहारों के दिन सैंपल ही कम लिए गए हों। खैर, डॉक्टरों की राय अपनी जगह और आंकड़े अपनी जगह। आंकड़ों को भला कौन झुठला सकता है

## कोरोना वैक्सीन के नाम पर साइबर शातिर बना सकते हैं आपके बैंक खाते को निशाना, आगरा पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

**आगरा** । कोरोना वैक्सीन साइबर शातिरों का नया हथियार हो सकता है। वैक्सीन लगाने के लिए पंजीकरण के नाम पर वह लोगों को अपने जाल में फांस उनका बैंक बैलेंस निल कर सकते हैं। इसकी आशंका के चलते आगरा पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। लोगों से अनजान नंबरों से आने वाले फोन काल रिसीव नहीं करने की कहा है। कोरोना संक्रमण काल में सर्जीकल उपकरणों, सैनिटाइजर और मास्क के नाम पर साइबर शातिरों द्वारा दर्जनों लोगों से ठगी के मामले में सामने आए थे।

आगरा जिले में पहले चरण में सरकारी और निजी अस्पतालों के 18901 लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई जानी है। वैक्सीन लगाने से पहले स्वास्थ्यकर्मियों का ब्यौरा दर्ज किया जाएगा। जिले की आबादी 42 लाख से ज्यादा है। जबकि शहर की आबादी करीब 20 लाख है। ऐसे में कोरोना संक्रमण से बचने के लिए ज्यादातर लोग वैक्सीन लगवाने का प्रयास करेंगे।

साइबर शातिर इस मौके का फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं। वह लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने का झांसा देकर उनके आधार कार्ड का नंबर ले सकते हैं। आधार लोगों के बैंक खातों से लिंक होता है। इसकी मदद से साइबर शातिर खातों में सेंध लगाकर लोगों को ओटीपी भेज सकते हैं। उनसे रजिस्ट्रेशन के नाम पर ओटीपी पूछकर बैंक खाते से रकम निकाल सकते हैं। आगरा पुलिस की एडवाइजरी के अनुसार कोरोना वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर अज्ञात नंबर से आने वाले फोन नंबरों को रिसीव नहीं करें। रजिस्ट्रेशन के नाम पर आपका आधार कार्ड नंबर मांगा जाएगा, फिर कहेंगे कि आपके मोबाइल फोन पर ओटीपी आयेगा वो हमको बताओ आपका रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। वैक्सीन आपको जल्द मिल जाएगी। आपके ओटीपी बताते हुए आपका बैंक खाता खाली हो सकता है। इसलिए सतर्क रहें।

कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन के नाम पर साइबर शातिर लोगों से उनके आधार कार्ड समेत अन्य व्यक्तिगत जानकारी मांग कर उनका बैंक खातों में सेंध लगा सकते हैं। लोगों को सतर्क करने के लिए एडवाइजरी जारी की है।

## बिहार में नौ महीने के बाद खुले स्कूल, कोरोना से बचाव के लिए बनी कड़ी गाइडलाइन

**पटना** । कोरोना महामारी के मामले सामने के बाद बिहार में बंद पड़े स्कूल नौ महीने के अंतराल पर सोमवार से खुल गए। बिहार सरकार ने अभी केवल नौवीं से लेकर बारहवीं तक की कक्षाओं के संचालन की अनुमति दी है। इन कक्षाओं में भी 50 फीसद बच्चों को ही बुलाना है। सरकार से स्कूल खोलने की इजाजत मिलते ही पटना के कई स्कूलों में पठन-पाठन शुरू कर दिया गया है।

हालांकि बेली रोड स्थित केंद्रीय विद्यालय सहित कई स्कूल अभी नहीं खुले हैं। इन स्कूलों का प्रबंधन अभी इस बारे में निर्णय लेगा कि पठन-पाठन कब से शुरू होना है। पटना के स्कूल कोरोना महामारी से बचाव के लिए पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। सभी स्कूलों में बच्चों को मास्क पहनकर आना अनिवार्य किया गया है। स्कूल में प्रवेश के साथ ही शारीरिक दूरी का भी ख्याल रखा जा रहा है। सभी स्कूलों में सैनिटाइजर की व्यवस्था मुख्य गेट सहित अन्य स्थानों पर की गई है। कुछ स्कूलों में बच्चों के लिए ग्लव्स पहनकर आने को कहा गया है। निजी स्कूलों के ज्यादातर बच्चे खुद भी सैनिटाइजर लेकर पहुंचे हैं।

पटना के कई सरकारी और निजी स्कूल सोमवार को नहीं खुले। इनमें बेली रोड स्थित केंद्रीय विद्यालय भी शामिल है। बताया जा रहा है कि यह स्कूल 11 जनवरी या उसके बाद खुल सकता है। इसी तरह माउंट कार्मेल स्कूल में भी अभी पठन-पाठन शुरू नहीं हुआ है। श्री चंद्रा स्कूल और महंत हनुमान शरण हाई स्कूल का ताला भी सोमवार को नहीं खुला।

इन स्कूलों को खोलने का फैसला स्कूल प्रशासन ही लेगा। पटना की सड़कों पर नौ माह के बाद स्कूल बसें भी दौड़ने लगी हैं। स्कूलों की ओर से बसों को सैनिटाइज करने के बाद इस्तेमाल में लाया जा रहा है। पब्लिक स्कूलों का दावा है कि वे हर ट्रिप के बाद स्कूल बस को सैनिटाइज करेंगे।

## बसपा मुखिया मायावती की मांग, मुरादनगर हादसा की सही और समय से जांच कराए योगी आदित्यनाथ सरकार

**लखनऊ** । गाजियाबाद के मुरादनगर में रविवार को श्मशान घाट में अंतिम संस्कार में जुटे लोगों पर लेंटर गिरने से 25 लोगों की मौत पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने गहरा शोक प्रकट किया है। लेंटर के मलबे में दबकर 25 लोगों की मौत के साथ ही लोगों के 17 घायल होने के मामले में मायावती ने सही तथा समय से जांच कराने की मांग की है।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने मुरादनगर में श्मशान घाट में एक भवन की छत गिरने से लोगों की मौत की घटना पर दुख व्यक्त किया है। इस बाबत उन्होंने दो ट्वीट भी किया है। मायावती ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस मामले में जांच कराने की मांग की है।

मायावती ने ट्वीट कर कहा कि उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के मुरादनगर में श्मशान घाट में एक इमारत की छत गिरने से दो दर्जन लोगों की मौत की घटना अति दर्दनाक और कष्टदायक है। पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना है। ईश्वर उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार इस घटना की सही और समय से जांच कराए। इसके साथ दोषियों को सख्त सजा दी जाए और पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मदद दी जाए।

गाजियाबाद के मुरादनगर में रविवार को श्मशान घाट में अंतिम संस्कार में जुटे लोगों पर लेंटर गिर गया था। लेंटर के मलबे में दबकर 25 लोगों की मौत हो गई जबकि 17 घायल हो गए। यह सभी लोग एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में पहुंचे थे। मुरादनगर के उखलारसी में हुए हादसे की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जांच का आदेश देने के साथ ही मृतक आश्रितों को दो-दो लाख रुपया की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

### एक मिनट में 168 टाइल्स तोड़ने वाली बच्ची केंद्रीय मंत्री से बोली- मुझें बनना है पुलिस ऑफिसर

**बरेली** । एक मिनट में 168 टाइल्स तोड़ने वाली पांच वर्षीय बच्ची अनिका गोयल ने एक रिकार्ड स्थापित किया है। नर्सरी कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची को रविवार को केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने खेल रत्न से सम्मानित किया।

यह सम्मान बच्ची को भारत विकास परिषद अहिछत्र शाखा द्वारा केशव कृपा संघ कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। बच्ची को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देते हुए केंद्रीय मंत्री ने हौसला अफजाई भी की।

इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक आनंद, नगर विधायक डॉ. अरुण कुमार व महानगर अध्यक्ष भाजपा डॉ. कुलमोहन अरोरा, कार्यक्रम संयोजक रोहित राकेश, संस्था अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल व गुलशन आनंद मौजूद रहें।

बातचीत के दौरान अनिका ने अपनी मां प्राची गोयल को प्रेरणा स्रोत बताया। बच्ची ने कहा कि वह बड़े होकर पुलिस में जाकर लोगों की सेवा करना चाहती हूं।

## चंपत राय बोले, मंदिर निर्माण के लिए ममता बनर्जी और शरद पवार के घर पर भी जाकर मांगेंगे सहयोग

**कानपुर** । विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं श्री राम जन्म भूमि मंदिर निर्माण क्षेत्र न्यास के महामंत्री चंपत राय ने कहा है कि मकर संक्रांति से अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण शुरू हो जाएगा। एक बार निर्माण शुरू होने पर 36 से 39 माह श्रीराम मंदिर पूरा बन जाएगा। श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सहयोग अभियान की बैठक में शामिल होने आए चंपत राय ने कहा कि विदेशों में रहने वाले भारतीय अपनी सहयोग राशि और धैर्य संभाल कर रखें, जल्द ही उन्हें भी मौका मिलेगा। कहा, ममता बनर्जी, शरद पवार के घर भी जाकर सहयोग राशि मांगी जाएगी। अभियान में दल सभी के घर पर सम्मान के साथ सहयोग राशि लेगा।

सिविल लाइन स्थित एक रेस्टोरेंट में पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि विदेशों से लगातार मंदिर निर्माण के लिए सहयोग राशि देने के लिए लोगों के फोन आ रहे हैं। विदेशों से पैसा लाने में कानूनी बाध्यताएं भी हैं और उन्हें पार भी करना है। इसके लिए लगातार प्रयास जारी हैं। उम्मीद है कि मार्च के अंत तक बहुत बातें साफ हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो कानूनी रूप से उचित नहीं हो। इसीलिए सभी एनआरआई को संदेश दिया गया है कि वह अपने धैर्य और सहयोग राशि को संभाल कर रखें और उसमें वृद्धि करें।

**माघ पूर्णिमा से खत्म होगा अभियान**- उन्होंने बताया कि घर-घर जाने का अभियान माघी पूर्णिमा

को खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में अभी कहीं सहयोग राशि का संकलन शुरू नहीं किया गया है और न उनके पास कोई मारपीट की सूचना है। उन्होंने कहा कि माघी पूर्णिमा से घर घर जाने का यह अभियान बंद कर दिया जाएगा इसके बाद जिन लोगों को सहयोग राशि देनी होगी बैंक खातों में दे सकते हैं। हम 55 से 60 करोड़ लोगों तक जाने की योजना बना रहे हैं?, इसके तहत एक एक आदमी और एक एक घर तक यह अभियान इंटरनेट मीडिया से नहीं चल सकता है। इसके लिए लोगों को खुद ही घर-घर जाना होगा। इस अभियान में तीन से चार लाख लोगों को लगाया जा रहा है।

**बैंकों की शाखाएं भी कर रही संकलन**- उन्होंने कहा कि लोग चांदी तक ऑफर कर रहे हैं लेकिन अभी धन की जरूरत है। जब चांदी की जरूरत होगी तो उसके लिए भी आह्वान करेंगे। उनके मुताबिक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा की 46000 शाखाएं देशभर में सहयोग विधि संकलित करने के लिए हैं। कार्यकर्ताओं से यह भी कह दिया गया है कि कोई भी कार्यकर्ता 48 घंटे से ज्यादा सहयोग राशि अपने पास नहीं रखेगा। उसे बैंक में जमा करना होगा? बैंक की सूचनाओं के आधार पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और निष्क्रियता का भी अंदाजा हो जाएगा।

चंपत राय के मुताबिक अभी सीएसआर फंड में धार्मिक कार्यो के लिए देने की व्यवस्था नहीं है। इसलिए कंपनी का धन ना दें, लोग अपनी जरूरतों को कम कर उससे सहयोग राशि दें। उनके साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक वीरेंद्र जीत सिंह, विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष राजीव महाना, विहिप के प्रांतीय मंत्री वीरेन्द्र पांडेय और प्रांतीय अभियान प्रमुख दीनदयाल गौड भी रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### मंत्री भूपेंद्र सिंह से मिले क्रेडाई के पदाधिकारी

**भोपाल, (प्रसं)।** प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह से सोमवार को क्रेडाई के पदाधिकारियों ने भेंट की। मंत्री श्री सिंह को उन्होंने आवासीय योजनाओं सहित अन्य विषयों पर कुछ सुझाव दिए। श्री सिंह ने कहा कि सुझावों पर विचार किया जाएगा।

### मंत्री मिश्रा ने दी सुरेश सोनी की माताजी को श्रद्धांजलि

**भोपाल ।** गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने सोमवार को राजगढ़ पहुंचकर स्व. श्रीमती कंचन बेन सोनी बा को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह-सरकार्यवाह सुरेश सोनी की माताजी श्रीमती सोनी का शुक्रवार को निधन हो गया था। मंत्री डॉ. मिश्रा ने इस दुखद घड़ी में परिजनों को ढाढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोक-संतप्त परिवार को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

### नायडू बने जनअभियान परिषद के महानिदेशक

**भोपाल ।** राज्य शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी बीआर नायडू को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक के पद पर पदस्थ किया है। उन्हें कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष के लिए अथवा उनके 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने (जो भी पहले हो) तक की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है।

### उपाध्याय बने मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष

**भोपाल ।** राज्य शासन ने विभाष उपाध्याय को मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद में उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। वे कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष के लिए अथवा आगामी आदेश जारी होने तक के लिये नियुक्त किए गए हैं।

### अवकाशों की अधिसूचना वेबसाइट पर उपलब्ध

**भोपाल ।** मध्यप्रदेश में राज्य शासन ने शासकीय अवकाशों की अधिसूचना वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य शासन ने वर्ष 2021 के लिए घोषित किए गए मध्यप्रदेश के शासकीय अवकाशों की अधिसूचना वेबसाइट पर उपलब्ध है। संपूर्ण मध्यप्रदेश के शासकीय कार्यालयों तथा संस्थाओं में मनाए जाने वाले अवकाशों की अधिसूचना दिनांक 26 दिसंबर को असाधारण राजपत्र में भी जारी की जा चुकी है।

### इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों का प्रशिक्षण शुरू

**भोपाल ।** नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के नव-नियुक्त इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों का दो सप्ताह का आधारभूत प्रशिक्षण सोमवार को शुरू हुआ। प्रशिक्षण में नगरपालिका प्रशासन एवं प्रबंधन और इंजीनियरिंग से संबंधित कार्यों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण में 20 नगरीय निकायों के इलेक्ट्रिकल इंजीनियर शामिल हो रहे हैं।

### जल्द जारी होंगे अनुकंपा नियुक्ति के आदेश

**भोपाल ।** मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय भोपाल में सोमवार को अनुकंपा नियुक्ति संबंधी प्रकरणों पर समिति द्वारा नियुक्ति के लिए अनुमोदन किया गया। समिति के समक्ष कुल 10 प्रस्ताव रखे गए थे। नियुक्ति आदेश शीघ्र जारी किए जाएंगे।

### नगर परिषद झुंडपुरा के सीएमओ शर्मा निलंबित

**भोपाल ।** आयुक्त नगरीय प्रशासन एव विकास निकुंज श्रीवास्तव ने नगरपरिषद झुंडपुरा जिला मुरैना के प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी मनोज कुमार शर्मा को निलंबित कर दिया है। श्री शर्मा को योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितता, वीसी में अनुपस्थित रहने एवं कर्तव्यों के प्रति लापरवाही के कारण निलंबित किया गया है।

### स्व. पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिमा लगाने समिति गठित

**भोपाल ।** राज्य शासन ने मंत्रालय, वल्लभ भवन प्रांगण में स्वर्गवासी पूर्व मुख्यमंत्रियों की अर्ध प्रतिमा लगाने के लिए अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है। यह अंतर्विभागीय समिति स्वर्गवासी पूर्व मुख्यमंत्रियों की फोटो (चित्र) के चयन और प्रतिमा के प्रोटोटाइप के अनुमोदन सहित अंतिम रूप देने की अनुशंसा, नगरीय विकास एवं आवास विभाग को देगी। समिति के सदस्यों में प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मुख्य वास्तुविद एप्को, अधीक्षण यंत्री राजधानी परियोजना प्रशासन और मध्यप्रदेश माध्यम की ओर से एक प्रतिनिधि शामिल है। समिति में कार्यपालन यंत्री, निर्माण संभाग क्रमांक-दो राजधानी परियोजना प्रशासन भोपाल को संयोजक बनाया गया है।

### सत्येंद्र यादव कांग्रेस से छह वर्ष के लिए निष्कासित

**भोपाल ।** मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश कांग्रेस सेवादल के पूर्व मुख्य संगठक सत्येंद्र यादव को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते सोमवार को पार्टी से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया। प्रदेश कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर ने श्री यादव को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया। उनके खिलाफ लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।

### संजय कपूर कल से प्रदेश प्रवास पर

**भोपाल ।** अभा कांग्रेस के सचिव सह-प्रभारी संजय कपूर छह से नौ जनवरी तक मध्यप्रदेश के निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, कटनी, उमरिया और शहडोल जिले में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक लेंगे। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजीव सिंह ने बताया कि श्री कपूर छह जनवरी को पूर्वान्ह 11 बजे निवाड़ी पहुंचेंगे और वहां पर जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक एवं आगामी नगरीय निकाय चुनाव के संबंध में चर्चा करेंगे। वे उसी दिन टीकमगढ़ में जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे। श्री कपूर सात जनवरी छतरपुर और पन्ना में जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से निकाय चुनाव के संबंध में चर्चा करेंगे। आपका रात्रि विश्राम पन्ना में रहेगा। श्री कपूर 8 जनवरी दमोह और कटनी में जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों से चर्चा करेंगे तथा शाम सात बजे कटनी से उमरिया हेतु प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि विश्राम उमरिया में करेंगे। श्री कपूर नौ जनवरी को उमरिया औरशहडोल में पार्टी पदाधिकारियों से चर्चा करेंगे।

### छतरपुर घटना की जांच के लिए कांग्रेस ने बनाई समिति

**भोपाल ।** छतरपुर जिले के मातगुंवा निवासी मुनेंद्र राजपूत द्वारा भारी भरकम बिजली बिल व उसकी वसूली को लेकर बिजली अफसरों द्वारा दी गई प्रताड़ना एवं अपमानजनक व्यवहार पर फांसी लगाकर की गई आत्महत्या के मामले को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बेहद गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की जांच हेतु तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने समिति के सदस्यों को उक्त संबंध में पत्र जारी किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सिंह सलूजा ने बताया है कि घटना की जांच हेतु समिति में पूर्व मंत्री बृजेंद्र सिंह राठौर, पूर्व मंत्री हर्ष यादव, विधायक विक्रम सिंह नातीराजा को शामिल किया गया है। यह समिति घटना स्थल पर जाकर तथा मृतक के परिजनों से मिलकर पूरे मामले की जांच कर जांच विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी। इस अवसर पर छतरपुर जिले के स्थानीय विधायकगण भी जांच समिति के सदस्यों के साथ उपस्थित रहेंगे।

## मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस में दिए निर्देश

# जिले बनाएं विकास की योजना

### प्रधानमंत्री की योजनाओं में मध्यप्रदेश बने अव्वल

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रत्येक जिले की पृथक विकास योजना बनाई जाए। आगामी एक अप्रैल से इसका क्रियान्वयन प्रारंभ होगा। नगरों के साथ ग्राम पंचायत स्तर पर भी विकास का प्लान बनाया जाए। श्री चौहान ने कहा कि नागरिकों को विकास का पूरा लाभ दिलवाने के साथ ही अच्छी कानून व्यवस्था के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। जिला विकास योजना के निर्माण के साथ ही सुशासन, आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग, योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन, नागरिकों को समय पर आवश्यक सेवाएं देने, सुदृढ़ कानून व्यवस्था हमारी प्राथमिकता है। सभी कलेक्टर्स, कमिश्नर्स और शासन स्तर के अधिकारी इन लक्ष्यों के अनुकूल कार्य करते हुए परफार्म करें। अच्छा कार्य प्रदर्शन करने वाले ही पदों पर कायम रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सोमवार को मंत्रालय में वर्चुअल कलेक्टर्स, कमिश्नर्स कान्फ्रेंस के प्रथम सत्र में वीसी द्वारा मैदानी अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रारंभ योजनाओं के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश को अव्वल रहना है। हमारे प्रयासों की पराकाष्ठा होना चाहिए ताकि अच्छे परिणाम प्राप्त हों। कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

### स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जरूरी, अंधी गली में नहीं चलना है

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश को हर योजना में नंबर वन रहना है। जिलों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होना चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश को प्रधानमंत्री जी की योजनाओं में भी आगे रहना है। कलेक्टर्स भी स्थानीय स्तर पर जिले के विकास की योजनाएं बनाएं। हमें अंधी गली में नहीं चलना है। योजनाओं की नियमित मॉनीटरिंग हो। कमिश्नर और आईजी भी अपने अधिकार क्षेत्र में सभी कार्यों पर नजर रखें। विकास का वार्षिक प्लान तैयार करना है। एक अप्रैल से इस प्लान पर चलना है। हर माह समीक्षा होगी। इसी आधार पर जिले की रेटिंग होगी, विभागों की भी रेटिंग होगी। उन्होंने कहा कि हमें राजस्व भी बढ़ाना है। धनराशि की कमी का तर्क नहीं चलेगा। जिलों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

**खरीदी केंद्रों पर किसानों को न हो कोई परेशानी :** कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर्स को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, धान मिलिंग के संबंध में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीदी में किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। जहां बाजरे के भुगतान की स्थिति संतोषप्रद नहीं है वे जिले तत्काल भुगतान की कार्रवाई करें।

**अनियमितताओं पर कार्रवाई :** कॉन्फ्रेंस में बताया कि आठ जिलों में खाद्यान्न उपार्जन में अनियमितताएं होने पर प्रकरण दर्ज किया गया है। कुल 32 एफआईआर कर 55 संस्थाओं और लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

**खाद्यान्न की कालाबाजारी करने वालों को बिल्कुल न छोड़ें :** मुख्यमंत्री ने कहा कि समय पर खाद्यान्न का वितरण न करना अपराध है, एक तरह का पाप है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर्स ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करें। सीएम ने सतना में उपभोक्ता भंडार संचालक पर की गई कार्रवाई की तारीफ की।

**रसूखदारों से मुक्त कराई सरकारी भूमि :** कॉन्फ्रेंस में डीजीपी विवेक जौहरी ने बताया प्रदेश में माफिया विरोधी अभियान के तहत करीब 900 हेक्टेयर सरकारी भूमि रसूखदारों से मुक्त करवाई गई है। श्री चौहान ने कलेक्टर्स से मुक्त करवाई भूमि का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा,इस दिशा में अच्छा काम करने वाले पुरस्कृत किए जाएंगे।

**चिट फंड कंपनियों पर कार्रवाई जारी रहे :** सीएम ने निर्देश दिए कि चिट फंड कंपनियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि प्रदेश में करीब 200 से ज्यादा मामलों में कार्रवाई हुई है। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश पुलिस को चिट फंड कंपनियों की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए बधाई दी। प्रदेश में करीब पांच लाख नागरिकों को उनकी डूबी राशि वापस मिल गई है। कुल 825 करोड़ रुपए की राशि निवेशकों को मिल सकी। मुख्यमंत्री ने डीजीपी को इसके लिए बधाई दी।

**साइबर क्राइम पर नजर रखें :** मुख्यमंत्री ने सायबर क्राइम के संबंध में समीक्षा करते हुए कहा कि सायबर क्राइम पर रोकथाम हो, अलग काल सेंटर बनाएं। सायबर क्राइम के लिए जन जागरूकता भी बढ़ाएं।

बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध अक्षम्य- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध हुए अपराधों की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिन्हित अपराधों के संबंध में की गई कार्रवाई की भी जानकारी ली। डीजीपी ने बताया कि प्रदेश में कुछ जिलों में ऐसे अपराधों पर अच्छी कार्यवाही हुई है। सिवनी, आगर-मालवा, सतना, हरदा, बुरहानपुर जिले तत्परता से कार्रवाई कर श्रेष्ठ जिलों में शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने चिन्हित अपराधों में अच्छी कार्यवाही के लिए बधाई दी।

### प्रदेश में हर माह किया जाए एक लाख रोजगार का सृजन

मुख्यमंत्री ने कहा है कि हर जिले में शासकीय एवं निजी क्षेत्रों में नियोजन तथा स्वरोजगार के माध्यम से रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित किए जाएं। प्रदेश में हर माह लगभग एक लाख रोजगार सृजित किए जाएं। प्रत्येक जिले में हर माह रोजगार मेले आयोजित कर रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

**15 दिन बाद फिर रिव्यू करूंगा :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पथ विक्रेता योजना प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना है, सभी कलेक्टर एवं नगर पालिका अधिकारी बैंको से समन्वय कर ऋण वितरण करवाएं। मैं 15 दिन बाद कार्य का रिव्यू करूंगा। मुझे परिणाम चाहिए।

**आठ जनवरी को एसएचजी को ऋण वितरण कार्यक्रम :** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी 08 जनवरी को कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के स्व-सहायता समूहों को ऋण वितरण किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के साथ ही मार्केट लिंकेज भी उपलब्ध कराया जाए।

**स्वरोजगार योजनाओं को रीडिजाइन करें :** सीएम ने निर्देश दिए कि स्वरोजगार योजनाओं को रीडिजाइन किया जाए, जिससे इन्हें अधिक उपयोगी बनाया जा सके तथा इनका लाभ अधिक से अधिक व्यक्तियों को मिल सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि नकली खाद-बीज की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, परिवहन करने वालों के साथ ही निर्माणकर्ता के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाए। कोई नकली खाद-बीज, कीटनाशक बनाने एवं बेचने वाला बचना नहीं चाहिए।

### कोलार डेम के किनारे पर आज जुटेंगे सीएम और 30 मंत्री

**भोपाल ।** मंगलवार, पांच जनवरी को भोपाल के कोलार डेम स्थित रेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री सहित सरकार के 30 मंत्री की महत्वपूर्ण बैठक होगी। बैठक में सीएम शिवराज सिंह सभी विभागों के मंत्रियों से वन –टू– वन करेंगे। चर्चा के दौरान मंत्री अपने अपने विभाग से संबंधित रोड मैप बताएंगे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री और मंत्रीगण सहभोज में शामिल होंगे। कोलार डेम के किनारे होने वाली इस बैठक को लेकर भोपाल और सीहोर जिले के प्रशासिक और पुलिस के अधिकारी सोमवार की शाम ही पहुंच गए हैं।

## यूपी में 2017 में ही लग चुका है भाजपा का टीका : डॉ. मिश्रा

### गृहमंत्री ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर साधा निशाना

**भोपाल (एजेंसी)।** प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के कोरोना वैक्सीन को भाजपा का टीका बताने पर कड़ा हमला बोला है। डॉ. मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव जी को टीका नहीं टिप्पणी चाहिए। उत्तर प्रदेश में 2017 में भाजपा का टीका लग चुका है। उसका असर पांच साल तक रहेगा। 2022 में फिर टीका लगेगा भाजपा का। उसका असर फिर पांच साल रहेगा।

डॉ. मिश्रा ने सोमवार को यहां मीडिया के चर्चा में कहा कि अखिलेश जी को समझना चाहिए कि यह टीका कोरोना वैक्सीन का है। इसमें राजनीति नहीं करनी चाहिए। अखिलेश जी कभी तो तारीफ करना सीखो। आप सिर्फ वैक्सीन के टीका पर टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस हर उस अच्छे कार्य पर सवाल खड़े करती है, जो राष्ट्र हित में होता है। वैक्सीन के टीकाकरण की मॉक ड्रिल पर सवाल खड़ा करना ठीक नहीं। गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि असल में यह लोग सवाली और बवाली हैं।

इनका मकसद पहले सवाल फिर बवाल खड़ा करना है। भ्रम फैलाकर तनाव पैदा करना विपक्षियों का शगल है। अब ट्वीट के अलावा उनके पास कोई काम नहीं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि जनता को अधिकतम लाभ दिलाने के लिए प्रशासनिक कसावट जरूरी है इसीलिए माननीय मुख्यमंत्री जी आज प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा चर्चा कर रहे हैं। मंगलवार को माननीय मुख्यमंत्री जी मंत्रियों के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने बर्ड-फ्लू के मामले में कहा कि सरकार सतत निगरानी रख रही हैं। इसे प्रदेश में फैलने नहीं देंगे।

## मुख्यमंत्री विभाग प्रमुखों से पूछेंगे, कितना आत्मनिर्भर हुआ हमारा मध्यप्रदेश

**भोपाल (एजेंसी)।** प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ माह पहले सभी विभागों को लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए थे। अब मुख्यमंत्री श्री चौहान सभी विभाग प्रमुखों से इस दिशा में उनके द्वारा किए नवाचार और योजनाओं से लाभ की स्थिति पर सवाल-जवाब करेंगे। विभाग प्रमुखों को यह भी बताना होगा कि उनके विभाग ने लक्ष्य को कितना हासिल किया है। मुख्यमंत्री द्वारा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश को लेकर सभी विभागों की समीक्षा की जाएगी।

### विभागों प्रमुखों को बताना होगा नवाचार और योजनाओं से लाभ की स्थिति

इस समीक्षा में मुख्यमंत्री सभी विभाग प्रमुखों को उनके प्रदर्शन पर चर्चा करेंगे। आत्मनिर्भर मप्र की समीक्षा को लेकर सभी विभागों ने अपने-अपने स्तर पर तैयारियां करना शुरू कर दिया है। विभाग प्रमुखों ने योजनाओं से संबंधित डाटा तैयार किया है। इसके अलावा उनके द्वारा विभाग में शुरू किए नवाचार पर भी संक्षेप में जानकारी बनाई जा रही है। हालांकि कुछ ऐसे भी विभाग हैं, जिनमें अब तक कुछ भी नवाचार नहीं किया गया है और उन्होंने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कोई खास कार्य नहीं किया है। इस तरह के विभाग प्रमुखों को अब सीएम समीक्षा का डर सता रहा है। उन्होंने समीक्षा के ठीक पहले विभाग की योजनाओं का डाटा तैयार करवाना शुरू किया है।

### इन सवालों के देने होंगे जबाव

- विभाग ने कितने और क्या नवाचार किया, उससे क्या लाभ हुआ?
- राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की क्या स्थिति है?
- आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने में विभाग ने कितने फीसदी लक्ष्य प्राप्त किया?
- प्रदेश को आत्मनिर्भर करने में उनके विभाग की भूमिका?
- नवाचार और योजना से कितना राजस्व बढ़ा या बढ़ेगा?

### सीएम को मप्र आत्मनिर्भर बनाने का दृढ़ निश्चय

कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत को लेकर काम करने की बात कही थी। पीएम मोदी की मंशा के अनुरूप सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का दृढ़ निश्चय किया था और इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने सभी विभागों को प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवाचार और योजनाओं पर प्रभावी कार्य करने का लक्ष्य दिया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के अपने दृढ़निश्चय को पूरा करने के लिए विभागों की समीक्षा कर रहे हं।

## खली ने माना कृषि मंत्री पटेल का आग्रह

### पंजाब के किसानों को बताएंगे अब कृषि बिलों के फायदे

**भोपाल (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय पेशेवर पहलवान और द ग्रेट खली के नाम से दुनिया भर में विख्यात दलीप सिंह राणा अब किसान नेता और मध्यप्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री कमल पटेल की पहल पर पंजाब के किसानों को कृषि बिलों के फायदे बताएंगे। खली अपने इस दांव से आंदोलन को पटखनी देने के लिए तैयार हैं।

कृषि मंत्री श्री पटेल की इंदौर में प्रसिद्ध पहलवान द ग्रेट खली से सौजन्य भेंट हुई। इस दौरान उन्हें पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी। भेंट के दौरान मंत्री कमल पटेल ने खली को नए कृषि विधेयकों के बारे में जानकारी दी और आग्रह किया कि वे भी पंजाब में कृषकों को इन विधेयकों के बारे में बताएं। खली ने कमल पटेल के इस आग्रह को स्वीकार कर लिया है। कृषि विधेयकों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल लगातार किसानों को नए कानून के फायदे बताकर जागरूक कर रहे हैं। मंत्री पटेल के इस प्रयास का ही नतीजा है कि प्रदेश में किसान आंदोलन का माहौल ही नहीं बन पाया। कृषि मंत्री पटेल ने फिर दोहराया कि जो कृषि बिल लाए गए हैं वह किसानों की तकदीर बदलने वाले हैं,लेकिन किसानों को बहकाकर उन्हें आंदोलन के लिए उकसाया जा रहा है।

## समीक्षा बैठक की तैयारियों को लेकर खाद्य मंत्री सिंह ने अधिकारियों से की चर्चा

**भोपाल (एजेंसी)।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित समीक्षा बैठक की पूर्व तैयारियों के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की।

बैठक में प्रमुख सचिव खाद्य फैज अहमद किदवई ने आत्मनिर्भर मप्र के संबंध में विभागीय गतिविधियों से उन्हें बिन्दुवार अवगत कराया। श्री किदवई ने आत्मनिर्भर मप्र रोडमैप के संबंध में खाद्य विभाग के विभागीय क्रियान्वयन के अलावा विभाग द्वारा क्रियान्वित किए जाने वाले नवाचारों के संबंध में अवगत कराया। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में मितव्ययिता बरतने एवं विभागीय कार्यकलापों से शासन को प्राप्त होने वाले राजस्व प्राप्ति में वृद्धि के लिए सुझावों पर भी चर्चा की। संचालक खाद्य एवं प्रबंध संचालक वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन तरुण पिथोड़े ने गुणवत्तापूर्ण उपार्जन के लिए क्वालिटी विंग बनाए जाने पर विभागीय प्रस्ताव से अवगत कराया। प्रबंध संचालक नागरिक आपूर्ति निगम अभिजीत अग्रवाल ने राजस्व वृद्धि की दिशा में निगम द्वारा प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में खाद्य मंत्री श्री सिंह के अलावा प्रमुख सचिव किदवई एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## मंत्रालय में स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने समीक्षा बैठक में किया दावा

# शिक्षकों के सुझाव लेकर विसंगतियां सुधारेंगे, फिर नई तबादला नीति जारी करेंगे

**भोपाल (एजेंसी)।** विसंगति पूर्ण स्थानांतरण नीति को सुधारने के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने मोर्चा संभाला है। सोमवार को आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश क्रियान्वयन की कार्य योजना की समीक्षा बैठक के दौरान अफसरों के सामने मंत्री ने कहा कि इस मामले में शिक्षक संघों के भी सुझाव लिए जाएंगे।

स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इइुदर सिंह परमार ने कहा है कि शिक्षकों के स्थानांतरण की नवीन नीति तैयार की जाएगी। श्री परमार मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग की आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश स्त्रि5यान्वयन की कार्य योजना की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण की नवीन नीति बनाने के दौरान इसे सबके सामने रखा जाएगा और सभी शिक्षक संगठनों से विस्तृत चर्चा कर सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षकों की उपलब्धता और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में यह नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

### प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को स्थानीय कलाएं सिखाएं

श्री परमार ने समीक्षा के दौरान विभाग की आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश क्रियान्वयन की कार्ययोजना के लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम राइज स्कूलों को चिन्हित करने कि प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करें। इन स्कूलों में स्टेम शिक्षा को बढ़ावा देने और उसके क्रियान्वयन के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग से समन्वय करें। छात्रों के मूल्यांकन, शिक्षकों के प्रदर्शन के आंकलन के लिए आईटी आधारित तृतीय पक्ष मूल्यांकन पद्यति अपनाएं। चयनित स्कूलों में कौशल आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित करें। कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों को स्थानीय कुशल कारीगर, कलाकार, शिल्पी आदि हुनरमंद व्यक्तियों से स्थानीय कलाएं हाथ करघा, पेंटिंग, शिल्प आदि विद्या सिखाएं।

### मजबूत शिक्षक मूल्यांकन प्रणाली बनाएं

शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि शिक्षकों के सतत व्यवसायिक विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए शिक्षकों के प्रशिक्षण की नीति तैयार करें। उनके प्रदर्शन का आकलन और मूल्यांकन करने के लिए एक मजबूत शिक्षक मूल्यांकन प्रणाली तैयार करें। शिक्षक मूल्यांकन प्रणाली अच्छे प्रदर्शन को पहचानने, प्रोत्साहित करने तथा उनके समग्र प्रदर्शन में सुधार करने में सहायता करेगी। सामाजिक और भावनात्मक कौशल जैसे दृढ़ता, सहानुभूति, विचारशीलता, साहस और नेतृत्व को शैक्षिक गतिविधियों में समाहित करें और शिक्षकों को स्कूल नेतृत्व प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करें। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शमी, आयुक्त राज्य शिक्षा केंद्र लोकेश कुमार जाटव, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत, संचालक केके द्विवेदी, संचालक प्रभात राज तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

# एक्शन-थ्रिलर सीरिज के साथ डिजिटल दुनिया में एंट्री करेंगे निर्देशक रोहित शेट्टी

**एक्शन** से भरी फिल्में निर्देशन रोहित शेट्टी की पहचान हैं और अब वे ऐसी ही एक वेब सीरिज के साथ डिजिटल दुनिया में प्रवेश करने को तैयार हैं। दिग्गज स्टंटमैन एम बी शेट्टी के बेटे रोहित 'सिंघम','सिंबा', 'गोलमाल', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'आल द बेस्ट' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। शेट्टी एक्शन-एडवेंचर शो 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी' केसाथ टीवी जगत में भी प्रवेश कर चुके हैं।

फिल्म की टीम के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई-को बताया, 'रोहित आठ एपिसोड की एक्शन थ्रिलर वेब सीरिज बनाने वाले हैं। यह सत्य घटनाओं से प्रेरित होगी।' सीरिज के शीर्षक को लेकर अब तक कोई खुलासा नहीं किया गया है।

रोहित फिलहाल अपनी फिल्म 'सर्कस' को लेकर व्यस्त हैं जिसमें वे अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म विलियम शेक्सपियर के नाटक 'द कॉमेडी ऑफ एरर्स' पर आधारित है।

# फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स की सलमान खान से गुजारिश, थिएटर्स में रिलीज करे 'राधे योर मोस्ट वॉन्टेड भाई'

**कोरोनावायरस** महामारी की वजह से बड़े फिल्म निर्माता सिनेमाघरों में दस्तक नहीं दे पा रहे हैं। भले ही सिनेमाघर खुल चुके हैं लेकिन लोग पहले की तरह थिएटर्स में पहुंच नहीं रहे है। इस दौरान कई बड़ी फिल्में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुईं। अब फिल्म एग्जिबिटर्स ने सलमान खान को पत्र लिखकर गुजारिश की है कि उनकी फिल्म 'राधे' को ओटीटी की बजाय सिनेमाघरों में रिलीज किया जाए।

फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स ने सलमान खान से गुजारिश की है कि वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई' को सीधे ओटीटी पर रिलीज करने का फैसला ना लें। वो अपनी फिल्म को सीधे ईद के मौके पर थिएटर्स में ही रिलीज करें। यही भाईजान की तरफ से उनके लिए सबसे बड़ी ईदी होगी।

फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अक्षय राठी ने ट्विटर पर लिखा है, डियर सलमान खान, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स की तरफ से यह गुजारिश है कि आप राधे को सीधे सिनेमाघरों में ही रिलीज करें क्योंकि इससे फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स और सिनेमा बिजनेस से जुड़े लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी। हम राधे को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में देखना चाहते हैं।

सलमान खान की राधे इस समय में थिएटर्स के लिए एक अहम कड़ी साबित हो सकती है। जो पहले कि तरह थिएटर्स में ऑडियंस को आकर्षित करें। सिंगल स्क्रीन थिएटर्स के लिए राधे उन कुछ फिल्मों में से एक है जो सिनेमाघरों के लिए भाग्यशाली साबित हो सकती है।

बता दें कि फिल्म राधे में सलमान खान के साथ दिशा पाटनी, रणदीप हुड्डा और जैकी श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं खास बात तो यह है कि इस फिल्म में भी सलमान खान कॉप की भूमिका में नजर आएंगे।

# एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा को मिली नया प्रोजेक्ट 'बुलबुल तरंग', पिछली कई फिल्में हुई फ्लॉप

**अभिनेत्री** सोनाक्षी सिन्हा निर्देशक श्री नारायण सिंह की फिल्म में मुख्य किरदार अदा करने जा रही हैं जिसका अंतरिम नाम 'बुलबुल तरंग' रखा गया है। सिंह की पुरानी फिल्मों 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा', बत्ती गुल मीटर चालू (2018) की तरह यह फिल्म भी सच्ची घटना से प्रेरित होगी। फिल्म की टीम से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई-से कहा, '' फिल्म में सोनाक्षी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें राज बब्बर भी हैं।

ताहिर राज भसीन भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। यह भारत की सामाजिक पृष्ठभूमि वाली फिल्म होगी और पुराने जमाने के रीति-रिवाज के बारे में होगी।'' पहली बार सिंह और सोनाक्षी साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग मार्च-अप्रैल में शुरू होगी। सोनाक्षी'भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया' फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। इस फिल्म में अजय देवगन भी हैं और यह डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

## 'धूम 4' में नजर आ सकती हैं दीपिका पादुकोण, बनेंगी स्टाइलिश चोरनी!

**यशराज** फिल्म्स की एक्शन फेंचाइजी 'धूम' की चौथी फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा कारोल तो हमेशा फिक्स माना जाता है, लेकिन विलेन हर बार कोई दूसरा होता है। 'धूम 4' को लेकर सामने आई खबरों की मानें तो इसमें दर्शकों को मेल चोर नहीं बल्कि फीमेल चोर नजर आएंगी।

खबरों के अनुसार यशराज बैनर ने 'धूम 4' में दीपिका पादुकोण को स्टाइलिश चोरनी के रूप में पेश करने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि दीपिका पादुकोण और यशराज बैनर के बीच लगातार बातचीत जारी है और इस समय दीपिका पादुकोण शूटिंग डेट्स को अपने कैलेंडर में फिट करने की कोशिश कर रही हैं।

अगर सबकुछ ठीक रहता है कि 'धूम 4' की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगी। दीपिका पादुकोण ने अपने करियर में कई बार एक्शन किया है लेकिन माना जा रहा है कि 'धूम 4' का एक्शन उनके फैंस को भी चौंकाकर रख देगा। इसमें वो हॉलीवुड स्तर के एक्शन सीन्स फिल्माती दिखेंगी।

बता दें कि यशराज बैनर की 'धूम' सीरीज बॉलीवुड की पहली सफल फेंचाइजी है, जिसकी पहली तीनों फिल्मों को दर्शकों का खूब सारा प्यार मिला है। अब तक दर्शक जॉन अब्राहम, रितिक रोशन और आमिर खान को इस फेंचाइजी में चोर का किरदार निभाते देख चुके हैं।

## इलियाना डीक्रूज ने अपनी ताकत के बारे में बताया

**बॉलीवुड** अभिनेत्री इलियाना डीक्रूज ने अपने लेटेस्ट पोस्ट के जरिए फैंस को स्ट्रेंथ की परिभाषा के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने सत्यापित इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया, ''स्ट्रेंथ हमेशा ब्रावाडो का एक बड़ा ड्रामेटिक शो नहीं है। यह कोई प्रेरणादायक शदों और हार्ड हिटिंग सच्चाइयों से भरा एक लंबा मोनोलॉग नहीं है। कभी-कभी यह आंसू और खोई हुई भ्रम की उस गेंद से खुद को दूर कर लाता है, खुद को साफ करता है और फिर से बाहरी दुनिया में कदम रखता है।''वर्कफ्रंट की बात करें तो, इलियाना 'अनफेयर एंड लवली' में अभिनय करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हरियाणा के बैकग्राउंड पर सेट की गई फिल्म एक सांवली लड़की की कहानी है, जिसमें इलियाना और रणदीप हुड्डा ने अभिनय किया है। स्क्रिप्ट राइटर बलविंदर सिंह जंजुआ ने इस फिल्म के माध्यम से डायरेशन में कदम रखने जा रहे हैं।

## तापसी पन्नू ने शेयर की खूबसूरत तस्वीर

**बॉलीवुड** एक्ट्रेस तापसी पन्नू सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर खुद से जुड़ी हर अपडेट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने अब अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए 'कॉन्फिडेंस' को लेकर दिलचस्प पोस्ट की है। तापसी पन्नू ने बताया कि सही 'कॉन्फिडेंस' क्या होता है? तापसी की यह पोस्ट फैंस को बेहद पसंद आ रही है। तस्वीर में तापसी राउंडेड धूप का चश्मा पहने एक ग्रे रंग की ड्रेस में दिखाई दे रही हैं, जिसमें उनके बाल खुल हुए हैं। उन्होंने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा, 'कॉन्फिडेंस' एक कमरे में नहीं चल रहा है यह सोचकर कि आप हर किसी से बेहतर हैं। आप कभी किसी से पहली बार मिल कर उससे खुद की तुलना न करें। हैप्पी संडे।' तापसी की पोस्ट पर लगातार रिएक्शन आ रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो तापसी पन्नू फिल्म 'रश्मि रॉकेट' में नजर आएंगी। फिल्म में वह एक धावक की भूमिका में हैं। इसके अलावा तापसी की आने वाली फिल्म 'लूप लपेटा' की शूटिंग भी जोरों पर चल रही है। फिल्म में ताहिर राज भसीन भी अहम किरदार में हैं।

# 'कुली नंबर 1' की आलोचना करने वालों को वरुण धवन ने दिया जवाब, बोले- मुझे फर्क नहीं पड़ता...

**बॉलीवुड** एक्टर वरुण धवन और सारा अली खान स्टारर फिल्म 'कुली नंबर 1' पिछले साल 25 दिसंबर को रिलीज हुई थी। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया था। फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, लेकिन रिलीज होने के बाद इसे काफी निगेटिव फीडबैक मिला।

सोशल मीडिया पर कुली नंबर 1 को लेकर फनी मीम बनने लगे, वरुण के सीन्स का मजाक उड़ाया गया और सारा की एक्टिंग पर भी तंज कसे गए। हाल ही में फिल्म की आलोचना को लेकर वरुण धवन से बातचीत की गई, जिस पर एक्टर ने कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हर चीज तो हिट नहीं हो सकती है न।

एक न्यूज पोर्टल से बातचीत में वरुण धवन ने कहा, चीजें करना मुश्किल होता है। जिंदगी से भी कई चीजें बड़ी होती हैं। उन चीजों के प्रति आपके अंदर सहनशीलता होनी जरूरी होती है। मैं एंजॉय करता हूं। मेरे लिए एक फिल्म बनाना मतलब सभी को प्लीज करना होता है। जनता का रिएक्शन मेरे लिए काफी मायने रखता है।

वरुण आगे कहते हैं, मैं फेक हो सकता हूं और कूल बनने की भी कोशिश कर सकता हूं, क्योंकि मेरी फिल्म ओटीटी पर है। यह मेरी ऑडियंस है और मैं इसी के लिए काम करता हूं। जो कोई कहता है कि मैं कूल नहीं हूं, क्योंकि मैं कई खराब फिल्में भी करता हूं तो ठीक है मैं कूल नहीं हूं और मुझे फर्क नहीं पड़ता है।

बता दें कि फिल्म कुली नंबर 1 का निर्देशन वरुण धवन के पिता डेविड धवन ने किया है। इसमें वरुण धवन और सारा अली खान रोमांस करते नजर आए हैं। फिल्म की कहानी पुरानी कुली नंबर 1 जैसी ही रही है।

स्पेन में बार्सिलोना के लियोनन मैसी और अन्य खिलाड़ी स्पेनिश ला लिगा फुटबॉल में खेलते हुए।

# दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका पर 99 रनों की बढ़त हासिल की

जोहानिसबर्ग, (एजेंसी)। एनरिज नोर्जे और वियान मुलदर की घातक गेंदबाजी से श्रीलंकाई टीम यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 157 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 256 रन बना लिए थे। मेजबान टीम की ओर से डीन एल्गर ने सबसे ज्यादा 127 जबकि रेसी वेंडर वुसेन ने 67 रन बनाये। इस प्रकार मेजबान टीम को पहली पारी के आधार पर 99 रनों की बढ़त मिल गयी है। वहीं इससे पहले गेंदबाजी करते हुए एनरिज नोर्जे ने 56 रन देकर छह विकेट और वियान मुलदर ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए। मेजबान टीम की गेंदबाजी के सामने लंकाई टीम बेबस नजर आई। पूरी टीम केवल 40.3 ओवर ही टिक पायी।

सलामी बल्लेबाज कुशल मेंडिस ने 67 गेंद में 60 रन बनाकर श्रीलंका को अच्छी शुरूआत दिलायी थी। टीम शुरूआती 20 ओवरों के बाद एक विकेट पर 71 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन इसके बाद मुलदर की गेंद पर परेरा के आउट होते ही उनकी पारी बिखर गयी। 22 साल के मुलदर ने परेरा को पवेलियन भेजने के बाद उसी ओवर में कुसल मेंडिस (शून्य) और अगले ओवर में लाहिरू तिरिमाने (17) के अहम विकेट झटक कर श्रीलंका को मुश्किल में डाल दिया।

लंच के समय टीम ने 24 ओवर में पांच विकेट पर 84 रन बनाये थे। इससे पहले श्रीलंका ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन नोर्जे ने कप्तान दिमुथ करूणारत्ने (दो रन) को विकेट के पीछे कैच कराकर दक्षिण अफ्रीका को अच्छी शुरूआत दिलायी। उन्होंने दिन के पहले सत्र में पदार्पण कर रहे मिनोद भानुका को भी आउट किया।

नोर्जे ने आखिरी पांच में से चार विकेट लेकर टेस्ट करियर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

## लान ने मारा छक्का, दर्शक के गिलास में गिरी गेंद

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट बिग बैश लीग के 23वें मैच होबार्ट हरिकेंस और मेलबर्न स्टार्स के बीच खेला गये गैच में बल्लेबाज डेविड मलान ने एक लंबा छक्का लगाया। सोशल मीडिया पर इसका यह वीडियो वायरल हो रही है जिसे आईसीसी ने भी शेयर किया है।मलान की इस शॉट पर स्टेडियम में बैठे एक दर्शक ने गेंद को कैच करने की कोशिश की लेकिन गेंद उसके साथ से गिरकर मैच देख रहे बुजुर्ग दर्शक के गिलास में जा गिरी। इसके बाद जब मेलबर्न के खिलाड़ी गेंद मांगने के लिए गए तो बुजुर्ग ने खिलाड़ी को गेंद देने से पहले रोका। बुजुर्ग ने पहले गिलास में पड़ी बीयर को खत्म किया और उसके बाद गेंद को उसमें से निकाल कर खिलाड़ी को दी।

## टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी कोरोना जांच में निगेटिव पाये गये

मेलबर्न, (एजेंसी)। सिडनी में सात जनवरी से मेजबान ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले हुई कोरोना जांच में टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी निगेटिव पाये गये हैं। दोनो ही टीमें अभी टेस्ट सीरीज में 1-1 से बराबरी पर है। ऐसे में दोनो ही टीम इस मैच में पूरी ताकत लगा देगी।

इससे पहले टीम इंडिया के पांच खिलाड़ियों को जैव प्रोटोकॉल तोड़ने के कारण पृथकवास में भेजा गया था। इन खिलाड़ियों में रोहित शर्मा, शुभमन गिल, नवदीप सैनी, ऋषभ पंत और पृथ्वी शॉ शामिल थे। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ये सभी मेलबर्न में न्यू ईयर के दिन एक रेस्टोरेंट के अंदर खाना खाते दिखाई दिए। इसके बाद इन सभी को के परीक्षण कराए गए थे। अब जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद माना जा रहा है कि प्रोटोकॉल तोड़ने से जुड़ा यह विवाद यहीं थम जाएगा।

वहीं इस मामले में भारतीय टीम प्रबंधन और बीसीसीआई ने एक इस मामले में खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) भारतीय खिलाड़ियों को जबरन फंसाने का प्रयास कर रहा है। साथ ही कहा कि भारतीय क्रिकेटरों ने किसी भी प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं किया है। बीसीसीआई ने कहा, भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों का कोविड-19 के लिए आरटी-पीसीआर परीक्षण कराया गया था। इसमें सभी परीक्षणों का परिणाम निगेटिव आया है। उधर, ऑस्ट्रेलियाई टीम और सपोर्ट स्टाफ की रिपोर्ट भी निगेटिव आई है।

# यशस्वी मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम में शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई की 22 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें इस टी20 टूनामेंट में मुंबई की टीम सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतार सकती है। 19 साल के यशस्वी जायसवाल का लिस्ट ए मैचों में शानदार रिकॉर्ड है. 13 लिस्ट ए मैचों उन्होंने करीब 71 की औसत से 779 रन बनाए हैं। उन्होंने तीन शतक और तीन अर्धशतक जड़ा है। आईपीएल 2020 की नीलामी में उनका बेस प्राइस 20 लाख रुपया था लेकिन उन्हें बल्लेबाज 2.4 करोड़ मिले। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने उन्हें खरीदा हालांकि आईपीएल में उनका प्रदर्शन ठीक नहीं रहा और वह सीजन के पहले तीन मैचों में सिर्फ 40 रन ही बना सके। इसके बाद उन्हें आईपीएल के बाकी सीजन में बेंच पर बैठना पड़ा। मुंबई के लिए हाल में ही प्रैक्टिस मैचों में धमाल मचाने वाले जायसवाल को इसी कारण मुश्ताक अली ट्राफी के लिए मुंबई टीम में जगह मिली है।

क्रिकेट से यशस्वी का जीवन बदला है। इस उभरते बल्लेबाज ने धूमधाम से अपनी बहन की शादी करायी है। ये यशस्वी के लिए बहुत बड़ी बात है क्योंकि उनका बचपन बेहद गरीबी में बीता है। इसके बाद क्रिकेट के जरिये उनकी हाल बेहतर हुई है। आईपीएल के जरिये वह करोड़पति बने और अब वह अपने परिवार की सहायता करने में सफल हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के भदोही से सिर्फ 11 साल की उम्र में क्रिकेट खेलने के सपने को लेकर मुंबई पहुंचे जायसवाल यहां आकर एक डेयरी फॉर्म में रहे। उन्होंने तीन साल तक अपना जीवन चाचा के साथ एक छोटे कमरे में गुजारा। गरीबी के कारण उन्हें खाली पेट भी सोना पड़ता था। उन्होंने सड़कों पर गोल गप्पे तक बेचे और बॉल बाय के रूप में भी काम किया। यशस्वी तब नजरों में आये जब उन्होंने वनडे क्रिकेट में सबसे कम उम्र में दोहरा शतक लगाया। इसके बाद उन्हें अंडर 19 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। दक्षिण अफ्रीका में हुए विश्व कप में उन्होंने छह मैचों में एक शतक और चार अर्धशतक की बदौलत 400 रन बनाए थे।

क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाने के बाद उत्साहित नजर आये।

# सिडनी में टीम इंडिया जीती तो रहाणे के नाम होगा अहम रिकार्ड

सिडनी, (एजेंसी)। यहां सात जनवरी से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी क्रिकेट मैदान में चार मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच खेला जाएगा। इस मैच में अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे एक के नाम एक बड़ा रिकार्ड दर्ज हो जाएगा। ऐसा करने वाले वह बिशन सिंह बेदी के बाद दूसरे कप्तान होंगे। इस प्रकार रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम यह टेस्ट मैच जीतती है तो वह 43 वर्षों में इस मैदान पर जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। इसी के साथ ही भारतीय टीम इस मामले में नियमित कप्तान विराट कोहली, महेंद्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़ देंगे। भारत ने इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को केवल एक बार जनवरी 1978 में हराया था जब बेदी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने बॉब सिम्पसन की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को पारी और दो रन से हराया था। उसके बाद से भारतीय टीम ने इस मैदान पर कोई मैच नहीं जीता है।

भारत ने 1978 में जब जीत हासिल की थी तो सिडनी टेस्ट सात जनवरी से शुरू हुआ था और इस बार भी सीरीज का सिडनी टेस्ट सात जनवरी से शुरू हो रहा है। इस मैदान पर दोनों टीमों के इतिहास में इन दो टेस्टों को छोड़कर अन्य कोई मुकाबला 7 जनवरी से शुरू नहीं हुआ है। सिडनी में टेस्ट क्रिकेट की शुरूआत 1882 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मुकाबले से हुई थी। भारत ने सिडनी में अपना पहला टेस्ट 1947 में आजादी हासिल करने के बाद दिसंबर में खेला था। यह मैच ड्रॉ रहा था।

## धनश्री और चहल ने शेयर की यॉर्ट वाली तस्वीरें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री आजकल हनीमून मनाने के लिए दुबई गए हुए हैं। इसी दौरान दोनों ने ही अपने हनीमून की फोटो सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ साझा की हैं। इन दोनो की यहां मुलाकात टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी से भी हुई। धोनी और साक्षी के साथ डिनर करते हुए की फोटो भी सोशल मीडिया पर वायल हुई थी।

# बचपन के कोच ने नटराजन को आगाह किया, काफी अलग होता है टेस्ट क्रिकेट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। युवा तेज गेंदबाब टी नटराजन को सिडनी में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में टीम इंडिया में जगह मिल सकती है कयोंकि अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव चोटिल होने के कारण सीरीज से ही बाहर हो गये हैं। ऐसे में नटराजन के पास अपने का साबित करने का अच्छा अवसर है। वहीं उनके बचपन के कोच ने इसपर खुशी व्यक्त करने के साथ ही कहा है कि टेस्ट क्रिकेट काफी अलग होता है। ऐसे में यह भी हो सकता है कि उनकी स्लोअर और यॉर्कर गेंदें इस फॉर्मेट में ज्यादा काम ना आएं इसलिए नटराजन अपनी ओर से पूरी तैयारी से उतरें। तमिलनाडु के हेड कोच दिवाकर वसु ने कहा, मैं बेहद खुश हूं कि नटराजन टेस्ट टीम में चुने गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में मैं उनकी सफलता की कामना करता हूं। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि वो जाते ही सफल हो जाएंगे। उन्हें टेस्ट क्रिकेट में जल्द से जल्द सीखना होगा। हमें देखना होगा कि क्या वो टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार हैं।

कोच वसु बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज पर पिछले कुछ सीजन से काम कर रहे हैं और उनका मानना है कि नटराजन को स्विंग गेंद पर अभी और काम करने की जरूरत है, क्योंकि उनके पास रफ्तार और बाउंसर इतनी अच्छी नहीं है। वसु ने कहा, नटराजन को गेंद स्विंग करानी होगी। उन्हें एक अच्छी लाइन पकड़कर गेंद फेंकनी होगी। टेस्ट क्रिकेट आसान नहीं है, वहां ज्यादा स्लोअर गेंद और यॉर्कर काम नहीं आती और मुझे नहीं लगता कि उनकी रफ्तार पर बाउंसर अच्छा विकल्प है। इसीलिए उन्हें स्विंग पर काम करना होगा जो कि उनके लिए अच्छा विकल्प होगा। वसु ने आगे कहा, नटराजन बहुत जल्दी सीखते हैं और बॉलिंग कोच भरत अरुण के साथ वो अच्छा काम करेंगे। टीम इंडिया उन्हें तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर उतार सकती है। बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर उनके पास अच्छा एंगल है, बस उन्हें स्विंग पर काम करना होगा। सीमित ओवरों में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर ही उन्हें टेस्ट टीम में अवसर मिला है।

# भारतीय हॉकी टीम का राष्ट्रीय शिविर आज से

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कप्तान मनप्रीत सिंह और गोलकीपर पीआर श्रीजेश सहित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के 33 संभावित खिलाड़ी मंगलवार से बेंगलुरू में शुरू हो रहे राष्ट्रीय शिविर में खेलेंगे। शिविर का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) परिसर में किया जाएगा। साइ और हॉकी इंडिया की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने से पहले कोर समूह के खिलाड़ी 14 दिन के अनिवार्य पृथकवास में भी रहेंगे। वहीं मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि इस तीन हफ्ते के ब्रेक के बाद खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा होकर वापसी करेंगे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इससे पहले पिछले साल अगस्त से 12 दिसंबर तक ट्रेनिंग की थी। भारतीय पुरुष टीम ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला एफआईएच हॉकी प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 फरवरी को खेला था। अब हॉकी संघ उसके लिए टूनार्मेंट आयोजित करने का प्रयास कर रहा है।

संभावित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार हैः गोलकीपरः पीआर श्रीजेश, कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा। डिफेंडरः बीरेंद्र लकड़ा, रूपिंदर पाल सिंह, सुरेंद्र कुमार, अमित रोहिदास, कोथाजीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, गुरिंदर सिंह, जरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, दिप्सान टिर्की और नीलम संदीप। मिडफील्डरः मनप्रीत सिंह, चिंगलेनसना सिंह कंगुजम, नीलकांत शर्मा, सुमित, जसकरन सिंह, राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद। फारवर्डः एसवी सुनील, आकाशदीप सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, रमनदीप सिंह, सिमरनजीत सिंह, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह, दिलप्रीत सिंह, गुरसाहिबजीत सिंह और शिलानंद लाकड़ा।

## हार के डर से ब्रिसबेन नहीं जा रही भारतीय टीम : हैडिन

ब्रिसबेन, (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन ने कहा है कि भारतीय टीम हार के डर से ब्रिसबेन नहीं जाना चाहती है। हैडिन के अनुसार आंकड़ों पर नजर डालें तो ब्रिसबेन में भारतीय टीम का प्रदर्शन खराब है और इस वजह से ही उनकी टीम वहां मैच नहीं खेलना चाहती है। हैडिन ने कहा कि ब्रिसबेन में टीम इंदिया के लिए मेजबानों को हराना संभव नहीं है इसलिए वे जाने से बचना चाहते हैं और कोरोना संक्रमण का बहाना बना रहे हैं। हैडिन ने कहा कि अगर मैं क्रिकेट के नजरिए से देखूं तो भारतीय टीम ब्रिसबेन के गाबा मैदान में इसलिए नहीं जाना चाहती क्योंकि उस मैदान में ऑस्ट्रेलिया की टीम का रिकॉर्ड शानदार रहा है और वह टीम का एक अभेद किला है जिसे भेदना बहुत मुश्किल है।

वहीं भारतीय टीम को काफी लंबे समय से जैव सुरक्षा घेरे (बायो बबल) में रहना पड़ा रहा है और यह बेहद थका देने वाला अनुभव होता है।

हैडिन ने आगे कहा कि वह आप किसी भी टेस्ट मैच की जगह एकदम से नहीं बदल सकते। आपको ऑस्ट्रेलिया आने से पहले पता होना चाहिए था कि क्या होने वाला है और नियम कितने सख्त होंगे। भारतीय खिलाड़ी आईपीएल के बाद सीधा ऑस्ट्रेलिया आ गए और उन्हें लंबे समय से बायो बबल की प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ भी यही हो रहा है और जहां तक मुझे लगता है भारतीय टीम ब्रिसबेन में मैच खेलने से बच रही है।

क्रोएशिया में एफआईएस अल्पाइन स्की महिला विश्व कप स्लेलोम रेस में भाग लेती हुई स्विटजरलैंड की वैंडी होल्डनर।

## ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैटिंसन तीसरे टेस्ट से बाहर

मेलबर्न, (एजेंसी)। सिडनी में यहां सात जनवरी से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले मेजबान टीम को करारा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन तीसरे टेस्ट से बाहर हो गये हैं। दोनों टीमों के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है और दोनों का ही प्रयास तीसरे मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल करना रहेगा। मगर इस अहम मुकाबले से पहले पैटिंसन के आउट होने से मेजबान ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। पैटिंसन अपने घर गए थे और इस दौरान घर में गिरने से उनकी पसलियां चोटिल हो गयी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने उनके विकल्प के तौर पर अभी तक किसी अन्य का चयन नहीं किया है।

पैटिंसन टीम में मिशेल स्टार्क. पैट कमिंस, जोश हेजलवुड के पहले बैकअप विकल्प के रूप में शामिल थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा कि पैटिंसन के विकल्प के तौर पर अभी किसी का भी चयन नहीं किया जाएगा और 15 जनवरी से ब्रिस्बेन में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट से पहले उनकी स्थिति का आंकलन करने के बाद ही कोई फैसला होगा। अभी टीम के पास माइकल नीसर और सीन एबॉट के रूप में दो रिजर्व तेज गेंदबाज हैं। दोनों ही टेस्ट में डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं।

इनके अलावा मिचेल स्वीपसन भी गेंदबाजी में एक विकल्प के तौर पर रखे गये हैं हालांकि टीम तीसरे टेस्ट के लिए गेंदबाजी में शायद ही कोई बदलाव करें, क्योंकि गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। तीसरे टेस्ट से पहले दोनों टीमें सिडनी में दो दिन अभ्यास भी करेगी।